www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 154 || लखनऊ
शुक्रवार
04 सितम्बर 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
https://epaper.tamsasanket.com
दैनिक
तमसा संकेत
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:47
सूर्यास्तः 06:23
अधिकतमः 31°00
न्यूनतमः 26°00

पेज 07

विशेष समाचार

शिक्षा कोरी नियुक्ति ही नहीं... >>पेज 04
स्कूल बस ने मासूम को कुचला... >>पेज 06
मैंने रोज 18 घंटे काम किया : प्रीति जिंटा...

सीएम ने गिनाईं सरकार की उपलब्धियां, कहा- यूपी को नई पहचान दिलाने का प्रयास जारी

प्रदेश की चुनौतियों में ही छिपी थीं विकास की संभावनाएं : योगी

सीएम योगी बोले- पहले उत्सव से पहले उपद्रव की आशंका रहती थी, आज उपद्रव से पहले व्यवस्था की बात होती है। यही बदलाव उत्तर प्रदेश में आया है। राज्य स्मार्ट सिटी योजना के तहत मथुरा-वृंदावन के कायाकल्प का काम आगे बढ़ रहा है।

कार्यक्रम

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। सीएम योगी आदित्यनाथ गुरुवार को मथुरा पहुंचे। यहां वह बच्चों के अन्नप्राशन के कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान योगी ने बच्चों का झुनझुना बजाया। कान्हा बने बच्चों को टेडी बियर गिफ्ट किए। उनको गोद में लेकर दुलारा और खीर खिलाई। इस दौरान पीछे खड़ी सांसद हेमा मालिनी मुस्कुराती रहीं। इस मौके पर योगी ने कहा- पहले त्योहारों से पहले उपद्रव का डर रहता था। आज उपद्रव से पहले व्यवस्था की बात होती है। पिछले कुछ सालों में यूपी में कानून-व्यवस्था की स्थिति बदली है। अब त्योहारों से पहले लोगों के मन में डर नहीं, सुरक्षित माहौल को लेकर भरोसा रहता है। मथुरा में सीएम योगी ने 1051 करोड़ लागत वाली 229 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया।

>> (शेष पेज 06 पर)

1,051 करोड़ लागत की 229 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया गया

सीएम योगी ने विरासत भी और विकास भी का नारा दिया

योगी बोले- हमारी विरासत संगीत में है, हमारी कला में है, हमारे दर्शन में है, गणित में है, विज्ञान में है, चिकित्सा में है, खगोल ज्ञान में है, हमारी लोक परंपराओं में है और हमारी ज्ञान परंपरा में है। इसीलिए डबल इंजन की सरकार ने प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में विकास का एक नया आयाम जोड़ा है-'विरासत भी और विकास भी', 'आस्था भी और आर्थिकी भी', यानी अर्थव्यवस्था भी। 'परंपरा भी और परिवर्तन भी'-हम परंपरा के साथ आधुनिकता को भी जोड़ रहे हैं। आज अयोध्या हो, काशी हो, मथुरा-वृंदावन हो, बरसाना, गोवर्धन, नंदगांव और बलदेव जैसे तीर्थ हों या विंध्याचल-हम सभी तीर्थस्थलों के विकास के साथ उनकी विरासत, संस्कृति और आस्था को संरक्षित करने का काम कर रहे हैं।

400 एकड़ में सिटी फॉरेस्ट विकसित करेंगे

सीएम योगी ने बताया- 84 कोस, 5 कोस और 3 वन परिक्रमा क्षेत्र के विकास का काम भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। हम ब्रज क्षेत्र की धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत को संरक्षित करने के साथ-साथ यहां आने वाले श्रद्धालुओं के लिए सुविधाएं विकसित कर रहे हैं। वृंदावन क्षेत्र में करीब 400 एकड़ में सिटी फॉरेस्ट विकसित किया जा रहा है। यह परियोजना पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ मथुरा-वृंदावन के सौंदर्यीकरण और पर्यटन को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

सीएम योगी की 3 अहम बातें...

1. परंपरा बचे और आधुनिकता भी आए : हमारी कोशिश है कि आस्था भी रहे और आर्थिक स्थिति भी मजबूत हो। परंपरा बचे और उसके साथ आधुनिकता भी आए। अयोध्या, काशी, मथुरा-वृंदा-वन, बरसाना, गोवर्धन, नंदगांव, बलदेव और विंध्याचल जैसे तीर्थस्थलों का विकास इसी सोच के साथ किया जा रहा है।

2. मथुरा में उपद्रव और अराजकता थी : आपको 16 जून, 2016 को हुआ जवाहर बाग कांड याद है। मथुरा में उस समय किस तरह का उपद्रव और अराजकता थी, यह सभी ने देखा था। इस घटना में 29 लोगों की जान गई थी। पुलिस के 2 जवान भी मारे गए थे। आज हालात बदल चुके हैं। प्रदेश में अपराध पर प्रभावी अंकुश लगाया गया है। कानून-व्यवस्था को मजबूत किया गया है।

3. भारत का इतिहास संघर्षों का रहा है : कोई भी राष्ट्र अपनी स्मृति, संस्कृति और अपनी जड़ों से मजबूत होता है। जिस समाज को अपनी जड़ों की जानकारी नहीं होती, वह आधुनिकता के नाम पर दूसरों की नकल करने लगता है। लेकिन जिसे अपनी विरासत का बोध होता है, वह दुनिया से सीखता है और दुनिया को सिखाता भी है। भारत का इतिहास केवल उपलब्धियों का इतिहास नहीं, यह संघर्षों का भी इतिहास है।

टीएमसी बागी 22 सितंबर तक अयोग्यता पर जवाब देंगे

नई दिल्ली। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने गुरुवार को TMC के बागी सांसदों को अयोग्यता घोषित करने के मामले में नोटिस जारी किया है। कहा है कि वे 22 सितंबर तक इस बारे में जवाब दाखिल करें। टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी ने 18 जून को स्पीकर ओम बिरला से इन बागी सांसदों के खिलाफ संविधान की दसवीं अनुसूची के तहत अयोग्य करार देने की मांग थी।

दरअसल, 14 जून को 20 TMC सांसदों ने खुद को पार्टी से अलग कर लिया था। बाद में नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) में शामिल हो गए। इसके बाद इन्होंने NDA को समर्थन का ऐलान किया था। सुप्रीम कोर्ट ने 25 अगस्त को TMC के 20 सांसदों की अयोग्यता पर कार्यवाही तय समयसीमा में करने की बात कही थी।

बेटी के बयान के बाद तेलंगाना मंत्री बर्खास्त

सीएम रेवंत रेड्डी पर ₹200 करोड़ की जमीन उगाही का आरोप लगाया था

आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

तेलंगाना। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को राज्य मंत्री कोंडा सुरेखा को मंत्रिपरिषद से हटा दिया। यह फैसला उनकी बेटी के मुख्यमंत्री और अन्य कांग्रेस नेताओं के खिलाफ दिए गए बयानों को लेकर बढ़े विवाद के बीच लिया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सुरेखा की बेटी सुष्मिता पटेल ने सीएम समेत कई कांग्रेसी नेताओं पर 200 करोड़ की जमीन उगाही का आरोप लगाया था। आधिकारिक बयान के मुताबिक, सुरेखा को हटाने की सिफारिश गुरुवार को ही तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल को भेज दी गई है। उनके पास वन, पर्यावरण और बंदोबस्ती विभाग थे। सुरेखा का कहना है कि मेरी बेटी के बयान के लिए मुझे जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। कार्रवाई से पहले मुझे सफाई देने का मौका नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि कारण बताओ नोटिस का उन्होंने जवाब दिया था।

तिब्बत में 5 तीव्रता का भूकंप

एक हफ्ते पहले बाढ़-भूस्खलन से तबाही मची थी, अब तक 1273 लोगों की मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

काठमांडू। नेपाल सीमा से करीब 55 किलोमीटर दूर तिब्बत में गुरुवार को 5 तीव्रता का भूकंप आया। भारत के नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (NCS) के मुताबिक, भूकंप का केंद्र उत्तराखंड के जोशीमठ से करीब 128 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में था और इसकी गहराई जमीन से 10 किलोमीटर नीचे थी। भूकंप जमीन की सतह से काफी कम गहराई पर आया। ऐसे भूकंप ज्यादा नुकसान पहुंचा सकते हैं, क्योंकि इनकी भूकंपीय ऊर्जा सतह तक जल्दी पहुंचती है और रास्ते में कम कमजोर होती है। हालांकि, फिलहाल भूकंप से किसी तरह के नुकसान या लोगों के घायल होने की खबर नहीं है। यह भूकंप ऐसे समय आया है, जब 26 अगस्त को तिब्बत और नेपाल में आई बाढ़ और भूस्खलन ने भारी तबाही मचाई थी। इस आपदा में अब तक कुल 1273 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें नेपाल में 1252 और तिब्बत में 21 लोगों की जान गई है। नेपाल-तिब्बत सीमा के पास आई बाढ़ के बाद तिब्बत में करीब 100 नेपाली नागरिक लापता हैं। नेपाल के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लोक बहादुर छेत्री ने बुधवार को इसकी जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि तिब्बत के केरुंग इलाके में करीब 1,500 नेपाली नागरिक फंसे हुए हैं, जिन्हें सुरक्षित निकालने की तैयारी की जा रही है।

छेत्री ने यह भी बताया कि भारत में मिले कम से कम 19 शव नेपाल की भोटेकोशी नदी की बाढ़ में बहकर वहां पहुंचे थे। ये शव भोटेकोशी से त्रिशूली और नारायणी नदियों के रास्ते भारत पहुंचे।

फास्ट न्यूज

पत्नी का हर जगह पति के साथ जाना जरूरी नहीं

मद्रास हाईकोर्ट ने गुरुवार को कहा कि पत्नी से पति के पीछे वोडाफोन के एड वाले पग डॉग की तरह चलने की उम्मीद नहीं की जा सकती। कोर्ट ने कहा कि नौकरी या दूसरी वजहों से पति जहां जाए, पत्नी का हर बार उसके साथ जाना जरूरी नहीं है। यह मामला उस कपल से जुड़ा है, जो करीब 16 साल से अलग रह रहा था।

टीएमसी दफ्तर में तोड़फोड़ का आरोप, 6 गिरफ्तार

कोलकाता। बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को फेसबुक लाइव सेशन में पार्टी ऑफिस पर हमले की निंदा की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर ऐसे हमले जारी रहे, तो उनकी पार्टी नई दिल्ली में BJP नेताओं के घरों के बाहर प्रदर्शन करेगी। दरअसल, TMC सांसद अभिषेक बनर्जी ने एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें कोलकाता के कैमक स्ट्रीट वाले पार्टी ऑफिस में कुछ लोग तोड़फोड़ करते दिख रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि हमलावर BJP के लोग थे, जो सुबह करीब 4:30 बजे आए थे।

अवकाश की सूचना

04 सितंबर 2026, शुक्रवार को कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर 'तमसा संकेत' के सुधी पाठकों, विज्ञापनदाताओं, समाचार पत्र वितरक बंधुओं एवं समस्त प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।

04 सितंबर 2026, शुक्रवार को कृष्ण जन्माष्टमी पर अवकाश के कारण 'तमसा संकेत' कार्यालय बंद रहेगा। अतः अगला अंक 06 सितंबर 2026, रविवार को प्रकाशित होगा।

— संपादक

सीजेपी किसी पार्टी की बी टीम नहीं: दीपके

कहा- हम छात्रों की ए टीम, नेताओं की डिग्री पर भी सवाल उठाए

खारिज

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के संस्थापक अभिजीत दीपके ने गुरुवार को अपनी पार्टी को कांग्रेस या आम आदमी पार्टी की 'बी टीम' बताए जाने के आरोपों को खारिज किया। उन्होंने कहा- महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री कहते हैं कि मैं कांग्रेस की बी टीम हूं और कुछ लोग कहते हैं कि मैं आम आदमी पार्टी (AAP) की बी टीम हूं। मुझे लगता है कि इन सभी लोगों को साथ बैठकर तय करना चाहिए कि मैं किसकी बी टीम हूं। जबकि, हमारे हिसाब से हम छात्रों की ए टीम हैं। दीपके ने कहा, 'सार्वजनिक पदों पर बैठे लोगों की शैक्षणिक योग्यता की जानकारी जनता के सामने होनी चाहिए। सार्वजनिक जीवन में किसी भी व्यक्ति की डिग्री पर सवाल उठाए जा सकते हैं और उस व्यक्ति की जिम्मेदारी है कि वह अपनी डिग्री और शैक्षणिक प्रमाण जनता के सामने रखे।' उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि स्कूलों को बेहतर बनाने की यह मुहिम किसी एक संगठन का मुद्दा नहीं।

>> (शेष पेज 06 पर)

लॉ यूनिवर्सिटीज के समारोह में सीजेआई को बुलाने के विरोध के बाद छात्रों का एनरोलमेंट रोका था

लॉ स्टूडेंट्स पर बार काउंसिल एक्शन नहीं ले सकता : एससी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि बार काउंसिल ऑफ इंडिया यानी BCI के पास लॉ स्टूडेंट्स के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करने का अधिकार नहीं है। कोर्ट ने कहा कि छात्रों के आचरण पर कार्रवाई करने का अधिकार उनके यूनिवर्सिटी या संबंधित शैक्षणिक संस्थान के पास है। कोर्ट ने यह फैसला हैदराबाद की NALSAR यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ के 2026 बैच के छात्रों से जुड़े विवाद में दिया। छात्रों ने दीक्षांत समारोह में CJI सूर्यकांत को मुख्य अतिथि बनाए जाने का विरोध किया था। इसके बाद BCI ने छात्रों का वकील के तौर पर एनरोलमेंट रोकने और मामले की जांच कराने के निर्देश दिए थे। NLSIU, बेंगलुरु के 700 से ज्यादा मौजूदा और पूर्व छात्रों ने CJI सूर्यकांत और बार काउंसिल ऑफ इंडिया (BCI) के चेयरमैन मनन कुमार मिश्रा को दीक्षांत समारोह में आमंत्रित किए जाने पर आपत्ति जताई थी। विरोध करने वालों में 574 मौजूदा छात्र और 128 पूर्व छात्र शामिल थे। उन्होंने बार काउंसिल ऑफ इंडिया (BCI) से NALSAR, हैदराबाद के छात्रों और शिक्षकों से बिना शर्त माफी मांगने की मांग भी की थी। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने एक याचिका पर सुनवाई के दौरान युवाओं पर टिप्पणी की थी। CJI सूर्यकांत ने कहा था- कॉकरोच की तरह ऐसे युवा हैं।

> बार काउंसिल किसी लॉ ग्रेजुएट पर एनरोलमेंट के बाद ही अधिकार चला सकती है।
> CJI सूर्यकांत

14 अगस्त को सीजेआई ने कहा था- छात्रों को विरोध का अधिकार

14 अगस्त को पिछली सुनवाई में CJI सूर्यकांत ने BCI के मामले में दखल देने पर नाराजगी जताई थी। CJI ने कहा था कि भले ही छात्रों का फैसला गलत हो या उन्हें किसी ने गलत सलाह दी हो, फिर भी उन्हें अपनी बात रखने और विरोध करने का अधिकार है। उन्होंने कहा था- यह छात्रों और मेरे बीच की बात है। BCI कौन होती है दखल देने वाली? यह पूरी तरह गलत है।

सुप्रीम कोर्ट ने बीसीआई के आदेश को गैरकानूनी बताया

CJI सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच ने कहा कि अधिवक्ता अधिनियम, 1961 BCI या स्टेट बार काउंसिल को लॉ स्टूडेंट्स पर अनुशासनात्मक कार्रवाई का कोई स्पष्ट या निहित अधिकार नहीं देता। कोर्ट ने BCI चेयरमैन मनन कुमार मिश्रा की ओर से 13 अगस्त को जारी आदेश को गैरकानूनी बताया। इस मामले में NALSAR के दो पूर्व छात्रों मिहिरा सूद और अभिषेक तिवारी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। उनका कहना था कि BCI को छात्रों के खिलाफ इस तरह की कार्रवाई करने का अधिकार नहीं है।

तबाही : 13 जिलों में बाढ़, काशी में 407 परिवारों ने घर छोड़ा, हिमाचल में 175 सड़कें बंद

बिहार में गंगा खतरे के निशान से 2 फीट ऊपर

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। बिहार के कई जिलों में बीते दो दिनों से रुक-रुककर बारिश हो रही है। पटना में गंगा खतरे के निशान से करीब 2 फीट ऊपर बह रही है। प्रदेश के 13 जिले बाढ़ की चपेट में हैं, जबकि 8 नदियों का जलस्तर बढ़ गया है। उत्तर प्रदेश में लगातार बारिश से नदियां उफान पर हैं। काशी में वरुणा नदी के किनारे रहने वाले 407 परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है। अब तक 2,910 लोग विस्थापित हो चुके हैं। राहत और बचाव कार्य के लिए प्रशासन ने 36 नावें लगाई हैं। बाढ़ के हालात को लेकर पीएम मोदी ने वाराणसी के डीएम और मेयर से बात की।

बिहार: गोपालगंज में सड़कों पर 2 फीट पानी

गोपालगंज जिले में मानसून एक बार फिर पूरी तरह सक्रिय हो गया है। गुरुवार को शहर समेत जिले के लगभग सभी प्रखंडों में तेज हवाओं और गरज के साथ जोरदार बारिश हुई। कहीं लगभग डेढ़ घंटे तक लगातार तेज बारिश हुई, तो कई इलाकों में रुक-रुक कर पूरे दिन बारिश का सिलसिला जारी रहा।

ओडिशा के बालासोर में 214 गांव डूबे

ओडिशा जिले के भोगराई, बालीपाल, बस्ता, रेमुना और जलेश्वर ब्लॉक के 214 गांवों में बाढ़ का पानी भरने के बाद खतरे के निशान से ऊपर बह रही है।

हालांकि, नदी का जलस्तर अब घट रहा है। दोपहर तक राजघाट में सुवर्णरेखा का जलस्तर 10.84 मीटर था, जबकि खतरे का निशान 10.36 मीटर है।

इसमें अभी गिरावट का रुख है, जो नदी की स्थिति में धीरे-धीरे सुधार का संकेत है।

यूपी में लगातार बारिश से 23 जिलों में बाढ़

यूपी में लगातार बारिश से 23 जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। अब तक 16 हजार से अधिक लोगों को बाढ़ से रेस्क्यू किया गया है। काशी में गंगा-वरुणा का पानी अब घरों में घुसने लगा है। सड़कों पर नाव चल रही है। अब तक 407 परिवार घर छोड़ चुके हैं। सभी 84 घाट डूबे हुए हैं। मणिकर्णिका घाट पर छत पर अंतिम संस्कार हो रहा है। ओडिशा के उत्तर इलाके में बाढ़ से 373 गांव प्रभावित हैं। अधिकारियों के मुताबिक, सुवर्णरेखा नदी बालासोर जिले के भोगराई, बालीपाल, बस्ता, रेमुना और जलेश्वर ब्लॉक के 214 गांवों में बाढ़ का पानी भरने के बाद खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। हालांकि, नदी का जलस्तर अब घट रहा है।

दिल्ली जल बोर्ड घोटाला केस में सत्येंद्र जैन को जमानत

दो-दो लाख रुपए के बॉन्ड और दो जमानतदार देने होंगे, 18 अगस्त को गिरफ्तार हुए थे

राहत

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली जल बोर्ड से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में AAP नेता और पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन को बड़ी राहत मिली है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने गुरुवार को उन्हें जमानत दे दी। यह मामला उस वक्त का है, जब वे केजरीवाल सरकार में जल मंत्री थे। कोर्ट ने जैन को 2 लाख के निजी बॉन्ड और इतनी ही रकम के दो जमानतदार पेश करने का निर्देश दिया है। जैन को इस मामले में 18 अगस्त को गिरफ्तार किया गया था। दिल्ली जल बोर्ड में करप्शन से जुड़ा यह मामला एमएस यूरोटेक एनवायरनमेंटल प्राइवेट लिमिटेड को दिए गए एक टेंडर से जुड़ा है। टेंडर दिल्ली जल बोर्ड के सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट्स (STPs) की क्षमता बढ़ाने और उन्हें अपग्रेड करने के लिए था।

>> (शेष पेज 06 पर)

सत्येंद्र जैन को कोर्ट में पेश करने से पहले दिल्ली के अरुणा आसिफ अली हॉस्पिटल में मेडिकल जांच कराई गई थी।

निशुल्क कंप्यूटर प्रशिक्षण से युवाओं को मिल रहा रोजगारपरक कौशल बढ़ाने का अवसर

योगी सरकार की डिजिटल पहल

प्रशिक्षण

- ओ-लेवल में 24,240 और सीसीसी में 7,362 प्रशिक्षणार्थी ले रहे प्रशिक्षण
- नाइलिट से मान्यता प्राप्त संस्थानों के जरिए युवाओं को दी जा रही निःशुल्क तकनीकी शिक्षा

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार युवाओं को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने और रोजगार के लिए तैयार करने पर विशेष जोर दे रही है। पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की निशुल्क ओ-लेवल एवं सीसीसी कंप्यूटर प्रशिक्षण योजना आर्थिक रूप से कमजोर ओबीसी युवक-युवतियों के लिए तकनीकी शिक्षा का प्रभावी माध्यम बन गई है। योजना के तहत इस वर्ष 31 हजार से ज्यादा प्रशिक्षणार्थी कंप्यूटर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। सरकार की इस पहल से युवाओं को आधुनिक तकनीकी ज्ञान और रोजगारपरक कौशल हासिल करने का अवसर मिल रहा है।

योजना के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर ओबीसी युवाओं को बिना किसी शुल्क के आधुनिक कंप्यूटर शिक्षा उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे उनकी तकनीकी दक्षता बढ़ाने के साथ रोजगार के अवसरों को भी मजबूती मिल रही है।

31 हजार से ज्यादा ओबीसी युवा बन रहे तकनीकी दक्ष

डिजिटल शिक्षा से रोजगार की ओर बढ़ रहे युवा

योगी सरकार की यह पहल तकनीकी शिक्षा को गांव और कस्बों तक पहुंचाने के साथ युवाओं को बदलती डिजिटल अर्थव्यवस्था के अनुरूप तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। निःशुल्क कंप्यूटर प्रशिक्षण, व्यापक संस्थागत नेटवर्क और बड़ी संख्या में युवाओं की भागीदारी इस योजना को रोजगारोन्मुखी शिक्षा की दिशा में सरकार की एक सराहनीय पहल बना रही है।

338 प्रशिक्षण संस्थानों का मजबूत नेटवर्क

प्रशिक्षण भारत सरकार के राष्ट्रीय इलेक्ट्रानिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट) से मान्यता प्राप्त संस्थानों के माध्यम से कराया जा रहा है। प्रदेश में वर्तमान में 338 प्रशिक्षण संस्थान योजना से जुड़े हैं। इनमें 63 संस्थान केवल ओ-लेवल, 39 सीसीसी और 236 संस्थान दोनों पाठ्यक्रम संचालित कर रहे हैं। इससे प्रदेश के अधिकांश जिलों में युवाओं को अपने नजदीक ही कंप्यूटर प्रशिक्षण हासिल करने की सुविधा मिल रही है। सरकार की ओर से ओ-लेवल प्रशिक्षण के लिए प्रति छात्र 15 हजार रुपये और सीसीसी के लिए 3,500 रुपये तक का भुगतान किया जाता है। इससे आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के युवाओं पर प्रशिक्षण का आर्थिक बोझ नहीं पड़ता।

70 हजार से ज्यादा आये थे आवेदन

वित्तीय वर्ष 2026-27 में योजना के लिए 40 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इस वर्ष 31,602 प्रशिक्षणार्थी प्रतिभाग कर रहे हैं। जिसमें सबसे ज्यादा ओ-लेवल में 24,240 और सीसीसी में 7,362 प्रशिक्षणार्थी शामिल हैं। 11 अगस्त से प्रशिक्षण शुरू हो चुका है। वर्ष 2026-27 में योजना के लिए 70 हजार से अधिक आवेदन प्राप्त हुए थे। इनमें सबसे अधिक आवेदन ओ-लेवल प्रशिक्षण के लिए आये थे।

कार्यालय में ऑफलाइन प्रत्यावेदन स्वीकार नहीं होंगे

10 सितंबर तक ई-मेल पर भेज सकेंगे अपना प्रत्यावेदन

तमसा संकेत, संवाददाता

- यूपीटेट 2026 के परिणाम से संबंधित प्रत्यावेदन अब केवल ई-मेल के माध्यम से होंगे स्वीकार

प्रयागराज/ लखनऊ। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग द्वारा शिक्षक पात्रता परीक्षा (UPTET-2026) के 26 अगस्त 2026 को घोषित परिणाम के संबंध में अभ्यर्थियों द्वारा अपने अनुतोष/आपत्तियों के लिए प्रस्तुत किए जा रहे प्रत्यावेदनों के संबंध में महत्वपूर्ण सूचना जारी की गई है। आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने बताया कि इच्छुक अभ्यर्थी अब अपना प्रत्यावेदन आयोग के ई-मेल upesscprayagraj @gmail.com पर भेज सकते हैं। आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने बताया कि आयोग द्वारा जारी विज्ञप्ति संख्या 1898/48/(2026)/परीक्षा/2026-27 दिनांक 01 सितंबर 2026 के क्रम में यह व्यवस्था की गई है। UPTET-2026 के घोषित परिणाम के पश्चात अपने अनुतोष के संबंध में प्रत्यावेदन प्रस्तुत करने के इच्छुक अभ्यर्थी अपना प्रत्यावेदन 10 सितंबर 2026 तक आयोग के उक्त ई-मेल पते पर अनिवार्य रूप से उपलब्ध करा दें। उन्होंने स्पष्ट किया कि आज से आयोग कार्यालय में इस संबंध में ऑफलाइन माध्यम से कोई भी प्रत्यावेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा। अभ्यर्थियों को अपने प्रत्यावेदन निर्धारित अंतिम तिथि तक केवल ई-मेल के माध्यम से ही भेजने होंगे। आयोग ने अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते हुए अपने प्रत्यावेदन समयसीमा के भीतर उपलब्ध कराएं, ताकि प्राप्त प्रत्यावेदनों पर नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही की जा सके।

फास्ट न्यूज

गोमती का बढ़ा जलस्तर, कुड़ियाघाट पर नावों का संचालन बंद

लखनऊ। राजधानी में लगातार हो रही बारिश से गोमती नदी का जलस्तर बढ़ गया है। नदी में पानी का बहाव तेज होने से प्रशासन ने सतर्कता बढ़ा दी है। कुड़ियाघाट पर नाव चलाने पर फिलहाल रोक लगा दी गई है। लोगों से नदी और घाट के आसपास नहीं जाने की अपील की जा रही है।

सुरक्षा को देखते हुए घाट पर आने वाले लोगों को नदी के किनारे जाने से रोका जा रहा है। प्रशासन और संबंधित विभाग के अधिकारी स्थिति पर नजर रख रहे हैं।

लखनऊ में ट्रेन से कटकर 51 वर्षीय व्यक्ति की मौत

दुबग्गा। लखनऊ के काकोरी में गुरुवार सुबह राजधानी एक्सप्रेस की चपेट में आने से 51 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। वह रेलवे ट्रैक पर लेटा हुआ था। हादसा पोल संख्या 1086/11-13 के पास हुआ। पुलिस के मुताबिक, सुबह करीब 6:45 बजे रेलवे लाइन पर एक व्यक्ति के ट्रेन से कटने की सूचना मिली। उपनिरीक्षक राजकुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। वहां युवक का शव ट्रैक के बीच पड़ा था। जीआरपी और ट्रैकमैन की मदद से शव को ट्रैक के किनारे कराया गया।

लखनऊ में होटल जनरल मैनेजर की संदिग्ध मौत

लखनऊ । लखनऊ के आशियाना स्थित होटल वीनस के जनरल मैनेजर रामबली (31) की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सोमवार सुबह उनका शव पावर हाउस चौराहे के पास एक जूस की दुकान के नजदीक सड़क किनारे मिला। परिजनों के मुताबिक, उनके शरीर पर रगड़ के निशान थे। मोबाइल फोन और रुपए भी गायब मिले हैं।

ओडिशा विधानसभा की स्टैंडिंग कमेटी ने विधानसभा अध्यक्ष से की भेंट

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। ओडिशा विधानसभा की वर्ष 2026-27 की स्टैंडिंग कमेटी के अध्यक्ष बाबू सिंह के नेतृत्व में समिति के सदस्यों ने गुरुवार को उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष श्री सतीश महाना से भेंट की। इस दौरान दोनों राज्यों की विधानसभाओं की कार्यप्रणाली, संसदीय परंपराओं और विधायी समितियों की भूमिका को लेकर विचार-विमर्श हुआ।

ओडिशा विधानसभा की समिति में विधायक डॉ. ब्योमकेश राय, मानस कुमार दत्ता, सुनील कुमार महंती, नीलमाधव हिकाका सहित अन्य सदस्य शामिल हैं। समिति के साथ ओडिशा विधानसभा के डेस्क ऑफिसर ईश्वर चंद्र नायक तथा ओएसडी-कम-ज्वाइंट सेक्रेटरी (रिपोर्टिंग) निरंजन कर भी मौजूद रहे। भेंट के दौरान श्री महाना ने ओडिशा विधानसभा की समिति के सदस्यों का स्वागत किया और लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने में विधानमंडलीय समितियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि विधानसभाएं केवल कानून बनाने का मंच नहीं, बल्कि जनहित से जुड़े विषयों पर गंभीर मंथन और सरकार के कार्यों की समीक्षा का भी महत्वपूर्ण माध्यम हैं।

अखिलेश यादव का भाजपा पर हमला, बोले- किसान, मजदूर, युवा, व्यापारी और कारीगर परेशान

पश्चिमी यूपी की अर्थव्यवस्था को साजिशन पहुंचाया नुकसान

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर पश्चिमी उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था और सामाजिक सौहार्द को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक लाभ के लिए पश्चिमी उत्तर प्रदेश में साम्प्रदायिक और जातिगत विभाजन पैदा किया गया, जिसका सीधा असर खेती-किसानी, उद्योग, कारोबार और रोजगार पर पड़ा है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में खेती-किसानी और उद्योग प्रभावित हुए हैं। उन्होंने दावा किया कि हैंडीक्राफ्ट और एक्सपोर्ट कारोबार को भी नुकसान पहुंचा है। सरकारी नौकरियों में पर्याप्त भर्ती नहीं होने, खेलों को अपेक्षित प्रोत्साहन न मिलने और शिक्षा व्यवस्था प्रभावित होने का भी उन्होंने आरोप लगाया।

सपा अध्यक्ष ने कहा कि श्रमिकों में असंतोष बढ़ने दिया गया, जिससे कारखानों और औद्योगिक गतिविधियों पर प्रतिकूल असर पड़ा। उनका आरोप है कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश की दस्तकारी और हस्तकारी को भी जानबूझकर कमजोर किया जा रहा है।

अखिलेश यादव ने अमेरिकी डील और बढ़े हुए टैरिफ का पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कारोबार पर असर पड़ने का दावा किया। उन्होंने कहा कि इसका प्रभाव क्षेत्र के किसानों के साथ-साथ मुरादाबाद, अलीगढ़, सहारनपुर, मेरठ और अन्य औद्योगिक क्षेत्रों के कारखानों तथा हस्तशिल्प कारोबार पर भी पड़ा है। उन्होंने कहा कि सामाजिक सौहार्द बिगड़ने से कारोबारियों में डर का माहौल पैदा हुआ। अखिलेश यादव ने अपने बयान में विभिन्न घटनाओं का उल्लेख करते हुए भाजपा सरकार पर सामाजिक रूप से कमजोर वर्गों के उत्पीड़न का भी आरोप लगाया।

2027 में पश्चिमी उत्तर प्रदेश से आएंगे अप्रत्याशित चुनावी नतीजे

> अखिलेश यादव के मुताबिक, पिछले 10-15 वर्षों से कथित उत्पीड़न, उपेक्षा और अत्याचार से किसान, मजदूर-श्रमिक, हस्तकार, युवा, महिलाएं, खिलाड़ी, कलाकार, दुकानदार, व्यापारी, कारोबारी, एक्सपोर्टर और उद्योगपति जागरूक हो चुके हैं। उन्होंने दावा किया कि अब ये वर्ग किसी के बहकावे में नहीं आएंगे।

किसानों और छोटे व्यापारियों के मुद्दे उठाए

अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में किसानों पर अत्याचार हो रहा है और उनकी जमीन छीनने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने जीएसटी व्यवस्था को लेकर भी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि इससे छोटे व्यापारियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने खिलाड़ियों के सम्मान और सुविधाओं को लेकर भी सवाल उठाए। साथ ही कहा कि शिक्षा व्यवस्था को कमजोर किया जा रहा है और स्कूलों व जौहर यूनिवर्सिटी को बंद करने की साजिश की जा रही है।

एलआईसी बीमा सखी कार्यक्रम से स्वयं सहायता समूहों की महिलाएँ बन रहीं आत्मनिर्भर

केशव प्रसाद के नेतृत्व में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को नई गति

- बीमा सखियों ने अर्जित किया रु 2.3 करोड़ से अधिक का सामूहिक कमीशन

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण, वित्तीय समावेशन तथा आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रभावी कदम उठा रही है। इसी क्रम में एलआईसी बीमा सखी कार्यक्रम महिलाओं के लिए सम्मान-जनक आजीविका और स्वरोजगार का सशक्त माध्यम बनकर उभरा है। स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) से जुड़ी महिलाओं को एलआईसी से जोड़कर बीमा सखी के रूप में प्रशिक्षित एवं कार्यरत किया जा रहा है, जिससे वे अपने परिवार के साथ-साथ समाज की आर्थिक प्रगति में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रदेश सरकार का उद्देश्य महिलाओं को केवल योजनाओं का लाभार्थी बनाना नहीं, बल्कि उन्हें विकास प्रक्रिया का सहभागी और नेतृत्वकर्ता बनाना है। एलआईसी बीमा सखी कार्यक्रम इसी सोच का परिणाम है, जो ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ वित्तीय जागरूकता का भी सशक्त माध्यम बन रहा है। उप मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि प्रदेश सरकार की महिला-केंद्रित योजनाओं और स्वयं सहायता समूहों की सशक्त भागीदारी से उत्तर प्रदेश में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को और अधिक गति मिलेगी तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती प्राप्त होगी।

राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के मिशन निदेशक श्री अरूण कुमार ने बताया कि बीमा सखियों ने अपने समर्पण, मेहनत और उत्कृष्ट कार्य के बल पर मात्र छह माह में 2.3 करोड़ से अधिक का सामूहिक कमीशन अर्जित किया है। यह उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि यदि महिलाओं को अवसर, प्रशिक्षण और उचित मंच उपलब्ध कराया जाए तो वे आर्थिक विकास की मजबूत धुरी बन सकती हैं।

5000 से अधिक आवेदन प्राप्त हो चुके

राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से प्राप्त जानकारी के अनुसार कार्यक्रम के अंतर्गत अब तक 5000 से अधिक आवेदन प्राप्त हो चुके हैं, जिनमें से 1,000 से अधिक स्वयं सहायता समूहों की महिलाएँ सफलतापूर्वक एलआईसी बीमा सखी के रूप में कार्य कर रही हैं। इस पहल में बीसी सखी, बैंक सखी तथा अन्य सामुदायिक कैडरों को प्राथमिकता दी गई है, ताकि उनके अनुभव, सामाजिक विश्वास और समुदाय से जुड़ाव का अधिकतम लाभ ग्रामीण क्षेत्रों तक बीमा सेवाओं के विस्तार में मिल सके।

रामा यूनिवर्सिटी के विधि विद्यार्थियों ने सतीश महाना से किया संवाद

विधानसभा, विधानपरिषद और समितियों की कार्यप्रणाली को करीब से समझा

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। रामा यूनिवर्सिटी, कानपुर के विधि संकाय के विद्यार्थियों ने शैक्षिक भ्रमण के तहत उत्तर प्रदेश विधानसभा का दौरा किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने विधानसभा अध्यक्ष श्री सतीश महाना से शिष्टाचार भेंट की और संसदीय व्यवस्था, विधायी प्रक्रिया तथा सदन की कार्यप्रणाली से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से संवाद किया। उन्होंने विद्यार्थियों को विधानसभा और विधानपरिषद के बीच अंतर समझाते हुए विधानमंडल की दोनों संस्थाओं की भूमिका के बारे में बताया। साथ ही विधेयकों के निर्माण और पारित होने की प्रक्रिया, सदन में चर्चा तथा जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारियों से जुड़े विषयों पर भी विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया।

विधानसभा अध्यक्ष ने विद्यार्थियों को बताया कि विधानसभा केवल सदन में होने वाली बहस और कानून बनाने तक सीमित संस्था नहीं है, बल्कि यह जनता की आकांक्षाओं और समस्याओं को सरकार तक पहुंचाने तथा उन पर चर्चा का महत्वपूर्ण मंच है। उन्होंने विधानसभा की भूमिका और उसके कामकाज की जानकारी देते हुए बताया कि किस प्रकार जनप्रतिनिधि अपने क्षेत्रों से जुड़े मुद्दों को सदन में उठाते हैं। महाना ने विद्यार्थियों को विधानसभा की विभिन्न समितियों की भूमिका और उनकी कार्यप्रणाली के बारे में भी विस्तार से बताया। उन्होंने समझाया कि सदन की समितियां विभिन्न विषयों और सरकारी कार्यों की गहन समीक्षा करती हैं तथा संसदीय व्यवस्था को प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। विद्यार्थियों ने समितियों के गठन, उनके कामकाज और रिपोर्ट तैयार करने की प्रक्रिया को लेकर भी जानकारी प्राप्त की।

जलभराव वाले क्षेत्रों में युद्धस्तर पर जल निकासी सुनिश्चित करें

आमजन को किसी भी दशा में परेशानी न हो : मंत्री ए.के. शर्मा

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा ने लखनऊ के आशियाना स्थित नाले का औचक निरीक्षण कर वर्षा काल में जल निकासी की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जलभराव की समस्या के तत्काल समाधान तथा नाले की समुचित सफाई एवं जल निकासी व्यवस्था सुनिश्चित करने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

मंत्री ए.के. शर्मा ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वर्षा काल को देखते हुए जिन-जिन क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो रही है, वहां युद्धस्तर पर अभियान चलाकर जल निकासी सुनिश्चित की जाए। नालों और नालियों की नियमित सफाई कराई जाए तथा जल निकासी में किसी भी प्रकार की बाधा न आने पाए।उन्होंने कहा कि बारिश के दौरान जलभराव के कारण आमजन को आवागमन अथवा दैनिक कार्यों में किसी भी दशा में परेशानी का सामना न करना पड़े। इसके लिए नगर निगम एवं संबंधित विभागों के अधिकारी क्षेत्र में लगातार भ्रमण कर स्थिति की निगरानी करें और आवश्यकता के अनुसार तत्काल कार्रवाई करें।

मंत्री श्री शर्मा ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि जलभराव की स्थिति में तत्काल प्रभावी कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि वे स्वयं पुनः इन क्षेत्रों का निरीक्षण करेंगे। यदि दोबारा निरीक्षण के दौरान जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं पाई गई और लापरवाही सामने आई, तो संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय करते हुए उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि प्रदेश के नगरीय क्षेत्रों में नागरिकों को बेहतर एवं सुचारु सुविधाएं उपलब्ध हों।

लखनऊ में 17 साल के लड़के को लात घूसों से पीटा

लखनऊ। लखनऊ में आपसी विवाद के दौरान वहां खड़े 17 साल के लड़के को कुछ युवकों ने बेरहमी से पीट दिया। आरोप है कि किशोर का विवाद से कोई लेना-देना नहीं था। घटना के बाद उसके पिता ने ठाकुरगंज थाने में आरोपियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। जिसका वीडियो अब सामने आया है। गढ़ी पीर खां बाबा हजाराबाग निवासी मोहम्मद इनाम खान ने पुलिस को बताया कि 2 सितंबर को दोपहर करीब 2 बजे सिटी मॉन्टेसरी स्कूल, हरदोई रोड के गेट के सामने असद अब्बास और अब्दुल्ला के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो रहा था। इसी दौरान उनका बेटा मोहम्मद अयान खान भी वहां खड़ा था। आरोप है कि जमन, अली हमजा और कुमैल समेत अन्य लोगों ने अयान को गालियां देना शुरू कर दिया। उसने विरोध किया तो आरोपियों ने उसे जमीन पर गिराकर लात-घूंसों से पीटा। मारपीट में अयान को चोटें आईं।

जांच : योगी सरकार में हॉट कुक्ड मील योजना से बदली बच्चों के पोषण की तस्वीर

आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों की थाली में गर्म भोजन

- 32.88 लाख नौनिहालों को सीधा लाभ
- गुणवत्ता और स्वच्छता की भी नियमित जांच
- हर दिन अलग प्रकार के व्यंजन, भोजन में पौष्टिकता का ध्यान

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के आंगनबाड़ी केंद्रों पर आने वाले नौनिहालों की थाली केवल राशन तक सीमित नहीं है। सक्षम आंगनबाड़ी एवं पोषण-2.0 की गाइडलाइन के तहत संचालित हॉट कुक्ड मील योजना के जरिए 3 से 6 वर्ष तक के बच्चों को नियमित रूप से ताजा, गर्म और पौष्टिक पका हुआ भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में करीब 1.45 लाख को-लोकेटेड और 0.44 लाख नॉन-को-लोकेटेड आंगनबाड़ी केंद्रों पर आने वाले लगभग 32.88 लाख बच्चे इस व्यवस्था का लाभ ले रहे हैं।

योगी सरकार में बच्चों को भोजन परोसने से पहले उसकी गुणवत्ता और स्वच्छता सुनिश्चित करने की व्यवस्था की गई है। कोटेदार से मिलने वाला खाद्यान्न उत्तम गुणवत्ता का होना जरूरी है। खाना बनाने से पहले अनाज की अच्छी तरह सफाई और हरी सब्जियों को दो से तीन बार पानी से धोने की व्यवस्था है। भोजन परोसने से पहले रोस्टर के आधार पर कम से कम दो वयस्क जैसे शिक्षक, रसोइया या माता समिति के सदस्य भोजन के स्वाद और गुणवत्ता की जांच करते हैं।

हर दिन अलग मेन्यू, भोजन में पौष्टिकता का ध्यान

बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग की ओर से तय साप्ताहिक मेन्यू के अनुसार, बच्चों को अलग-अलग दिन रोटी-सब्जी, चावल-दाल, मौसमी सब्जियों से तैयार तहरी समेत अन्य पौष्टिक भोजन दिया जाता है। प्रत्येक बच्चे के लिए प्रतिदिन 70 ग्राम खाद्यान्न से भोजन तैयार किया जाता है। गर्म भोजन मिलने से बच्चों के पोषण स्तर में सुधार के साथ कम उम्र से ही संतुलित आहार की आदत विकसित करने पर भी जोर दिया जा रहा है।

क्षतिग्रस्त हिस्से को तिरपाल से ढका, बारिश के बाद पड़री गांव के पास हादसा

कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर रिटेनिंग वॉल धंसी

क्षतिग्रस्त

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर गुरुवार को बारिश के बाद अंडरपास की रिटेनिंग वॉल का बड़ा हिस्सा क्षतिग्रस्त मिला। बुधवार शाम को पड़री गांव के पास किलोमीटर संख्या 55.3 पर कानपुर से लखनऊ जाने वाली लेन में यह समस्या सामने आई। इसका वीडियो गुरुवार दोपहर को सामने आया। दीवार के आसपास की मिट्टी लगातार बहने से रिटेनिंग वॉल का हिस्सा टूटकर नीचे गिर गया। इसके बाद क्षतिग्रस्त हिस्से को तिरपाल से ढक दिया गया, ताकि बारिश के पानी और मिट्टी के बहाव को

फिलहाल उन्नाव। उन्नाव में कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर गुरुवार को बारिश के बाद अंडरपास की रिटेनिंग वॉल का बड़ा हिस्सा क्षतिग्रस्त मिला। बुधवार शाम को पड़री गांव के पास किलोमीटर संख्या 55.3 पर कानपुर से लखनऊ जाने वाली लेन में यह समस्या सामने आई। इसका वीडियो गुरुवार दोपहर को सामने आया। दीवार के आसपास की मिट्टी लगातार बहने से रिटेनिंग वॉल का हिस्सा

बुधवार से शुरू हुआ मरम्मत का काम

रिटेनिंग वॉल क्षतिग्रस्त होने के बाद बुधवार से मरम्मत का काम शुरू किया गया। गुरुवार को भी कर्मचारी क्षतिग्रस्त हिस्से को दुरुस्त करने में जुटे रहे। फिलहाल मिट्टी के बहाव को रोकने के लिए प्रभावित हिस्से पर तिरपाल लगाया गया है।

- रिटेनिंग वॉल का बड़ा हिस्सा टूटने के बाद मरम्मत का काम शुरू करा दिया गया है।
- एक्सप्रेस-वे आथॉरिटी ने टूटे हिस्से पर तिरपाल डालकर उसे कवर कर दिया।
- मिट्टी लगातार बहने से रिटेनिंग वॉल का हिस्सा टूटकर नीचे गिर गया।

लोग बोले- ड्रेनेज ठीक नहीं हुआ तो दोबारा हो सकता है नुकसान

स्थानीय लोगों का कहना है कि केवल क्षतिग्रस्त दीवार की मरम्मत से समस्या का स्थायी समाधान नहीं होगा। बारिश के पानी की निकासी की व्यवस्था को भी दुरुस्त करना जरूरी है। उनका कहना है कि अगर पानी का दबाव इसी तरह बना रहा तो दोबारा मिट्टी बहने और एक्सप्रेसवे की संरचना को नुकसान पहुंचने का खतरा रहेगा। मिट्टी लगातार बहने से रिटेनिंग वॉल का हिस्सा टूटकर नीचे गिर गया।

बैंक कर्मचारियों ने मांगों को लेकर पोस्टर अभियान शुरू किया

बैंक शाखाओं के गेट पर लगाए पोस्टर, 11 सितंबर को राष्ट्रव्यापी हड़ताल

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई में यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) के आह्वान पर बैंक अधिकारियों और कर्मचारियों की लंबित मांगों को लेकर आंदोलन तेज हो गया है। इसी कड़ी में बृहस्पतिवार दोपहर से जिले भर में एक बड़ा पोस्टर अभियान शुरू किया गया। स्थानीय संयोजक राकेश पांडे ने यह जानकारी दोपहर 2 बजे दी। अभियान के तहत अलग-अलग बैंकों की शाखाओं के मुख्य दरवाजों और खास जगहों पर विरोध प्रदर्शन के पोस्टर लगाए गए हैं। इन पोस्टरों के जरिए बैंक कर्मियों के साथ-साथ आम जनता को भी आने वाले राष्ट्रव्यापी आंदोलन और प्रस्तावित हड़ताल की जानकारी दी जा रही है। बैंकिंग क्षेत्र की लंबे समय से अटकी मांगों पर ध्यान खींचने के लिए यूएफबीयू ने चरणबद्ध आंदोलन की पूरी योजना बनाई है। तय कार्यक्रम के

अनुसार, 11 सितंबर 2026 को पूरे देश में एक दिन की बैंक हड़ताल रहेगी। अगर इसके बाद भी मांगें पूरी नहीं हुईं, तो 28, 29 और 30 सितंबर को लगातार तीन दिनों की हड़ताल का ऐलान किया गया है। यदि इसके बाद भी स्थिति में सुधार नहीं हुआ, तो 26 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन राष्ट्रव्यापी हड़ताल शुरू की जाएगी। यूएफबीयू के संयोजक राकेश पांडे ने मांगों को साफ करते हुए कहा कि कर्मचारियों की मुख्य मांग पांच दिवसीय बैंकिंग सप्ताह (5-Day Banking) को तुरंत लागू करना है। इस विषय पर पहले हुए समझौतों और बनी सहमतियों के बावजूद इसे लागू न करना कर्मचारियों के साथ अन्याय है। इसके अलावा, प्रदर्शनकारी कर्मचारी पीएलआई (लाभ आधारित प्रोत्साहन) की मौजूदा व्यवस्था में सुधार की मांग कर रहे हैं। मौजूदा नीति में निचले स्तर के कर्मियों और वरिष्ठ प्रबंधन के बीच बहुत असमानता है। किसी भी बैंक के मुनाफे में हर स्तर के कर्मचारी का योगदान होता है, इसलिए न्याय और समानता के लिए पीएलआई का लाभ सभी को बराबर मिलना चाहिए। राकेश पांडे ने जिले के सभी बैंक कर्मचारियों से अपील की है कि वे एकजुट होकर आंदोलन की तैयारी करें। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार और बैंक प्रबंधन ने उनकी जायज मांगों पर सकारात्मक रवैया नहीं दिखाया, तो आने वाले दिनों में आंदोलन और तेज किया जाएगा।

फास्ट न्यूज

जमीन विवाद में पति ने पत्नी को गोली मारी

हरदोई। हरदोई के शाहाबाद में जमीन के लेनदेन को लेकर हुए विवाद में एक पति ने अपनी पत्नी को लाइसेंसी राइफल से गोली मार दी। गोली महिला के पेट में लगी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। करीब 40 साल की घायल महिला का नाम दुर्गावती है, जो दुर्गा प्रसाद की पत्नी हैं। यह घटना शाहाबाद थाना क्षेत्र के मोहल्ला मिश्रीपुर में हुई। घटना के बाद परिजन घायल दुर्गावती को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) शाहाबाद ले गए।

उन्नाव में 72 घंटे में स्वाइन फ्लू के चार मामले

उन्नाव। उन्नाव जिले में स्वाइन फ्लू के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। बुधवार को आई जांच रिपोर्ट में नवाबगंज ब्लॉक के जगदीशपुर गांव की 71 साल की बुजुर्ग महिला में H1N1 संक्रमण मिला है। महिला की तबीयत बिगड़ने और सांस फूलने की शिकायत के बाद घरवालों ने उन्हें लखनऊ के एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया था। जांच रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने महिला के संपर्क में आए लोगों की पहचान कर उनकी जांच और निगरानी शुरू कर दी है। एसीएमओ डॉ एके शर्मा ने गुरुवार को बताया कि बुजुर्ग महिला नवाबगंज ब्लॉक में काथा के पास जगदीशपुर गांव की रहने वाली हैं।

रंजिश में अधेड़ की जमकर पिटाई

हरदोई। हरदोई में पुरानी रंजिश के चलते पांच आरोपियों ने एक अधेड़ पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। इस मारपीट में पीड़ित को गहरी चोटें आईं और उसकी जेब से 20 हजार रुपए भी गायब हो गए। बिलग्राम कोतवाली क्षेत्र के ग्राम अल्लीगढ़ निवासी मोहित कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनके पिता खुशीराम 1 सितम्बर की रात 7:30 बजे बिलग्राम से अपनी बाइक पर आटे की बोरी लेकर गांव लौट रहे थे।

परिजनों ने शव सड़क पर रखकर किया प्रदर्शन, कार्रवाई के आश्वासन पर शांत हुए

लाठी-डंडों से पीटे गए बुजुर्ग ने तोड़ा दम

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई में पिहानी कस्बे के मोहल्ला मिश्राना में बेटी की ससुराल में हुए विवाद के दौरान लाठी-डंडों से पिटाई में घायल बुजुर्ग शिफायतुल्ला (60) की इलाज के दौरान मौत हो गई। उनकी मौत से आक्रोशित परिजनों ने गुरुवार सुबह करीब 10 बजे पिहानी कस्बा चौकी के पास शव सड़क पर रखकर प्रदर्शन किया। परिजनों ने पुलिस पर मामले में कार्रवाई करने में देरी का आरोप लगाया। सूचना पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों ने जल्द और निष्पक्ष कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके बाद परिजन शांत हुए और शव सड़क से हटा लिया। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए

भेज दिया। मोहल्ला मिश्राना उत्तरी निवासी शिफायतुल्ला ने करीब 35 साल पहले अपनी बेटी शबाना की शादी टड़ियावां क्षेत्र के थमरवा निवासी आकिल से की थी। परिजनों का आरोप है कि आकिल शराब पीकर शबाना के साथ मारपीट करता था। 7 जुलाई को शबाना ने अपने पिता को फोन कर ससुराल बुलाया था। शिफायतुल्ला अपने बेटों इमरान और गुफरान के साथ बेटी की ससुराल पहुंचे।

मृतक के बेटे रिजवान का आरोप है कि उनके पिता की मौत आरोपियों की पिटाई से हुई है। पिता की मौत की सूचना के बाद परिजन आक्रोशित हो गए और गुरुवार सुबह करीब 10 बजे पिहानी-आलू मिल मार्ग पर चारपाई पर शव रखकर रास्ता जाम कर दिया। वे आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे थे।

टीन शेड के नीचे सो रहे थे सालिकराम, तेज आवाज सुनकर पहुंचे ग्रामीण, मलबे से निकाला शव

कच्ची दीवार के नीचे दबकर बुजुर्ग की मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी में असंदरा कोतवाली क्षेत्र में गुरुवार रात कच्ची दीवार गिरने से उसके नीचे दबकर 64 वर्षीय बुजुर्ग की मौत हो गई। हादसा धनौली खास गांव के पूरे पाठक (पठखन पुरवा) में हुआ। सालिकराम कश्यप खाना खाने के बाद घर के पास बने टीन शेड के नीचे सो रहे थे। इसी दौरान पास की कच्ची दीवार अचानक भरभराकर उनके ऊपर गिर गई। दीवार गिरने की तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने मलबा हटाकर बुजुर्ग को बाहर निकालने की कोशिश की, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। हादसे की जानकारी मिलते ही परिवार के

लोग भी मौके पर पहुंच गए। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। जानकारी मिलते ही असंदरा कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया।

कोतवाल अनिल सिंह के निर्देश पर पुलिस ने शव का पंचनामा भरवाया।

इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। बताया जा रहा है कि बारिश के मौसम में कच्ची दीवार कमजोर हो गई थी, जिसके कारण उसके गिरने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, हादसे की सही वजह जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट होगी।

बुजुर्ग की मौत के बाद ग्रामीणों में चिंता का माहौल है। लोगों का कहना है कि बारिश के दौरान कच्चे मकानों और कमजोर दीवारों को लेकर विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। कमजोर दीवारों और जर्जर हिस्सों के पास सोने या बैठने से बचना चाहिए।

मुख्तार अंसारी गैंग के सदस्य अफरोज की अपील खारिज

43 करोड़ की संपत्ति पर गैंगस्टर कोर्ट का फैसला बरकरार

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी में मुख्तार अंसारी गैंग के सक्रिय सदस्य बताए जा रहे अफरोज खां उर्फ चुन्नू से जुड़े गैंगस्टर एक्ट के मामले में गैंगस्टर कोर्ट ने अहम फैसला सुनाया है। कोर्ट ने सोनभद्र में कुर्क की गई करीब 43 करोड़ रुपए की संपत्तियों को लेकर दाखिल अपील खारिज कर दी है। इसके बाद इन संपत्तियों पर प्रशासन की कुर्की की कार्रवाई बरकरार रहेगी। मामला बाराबंकी के कोतवाली नगर थाने में दर्ज अपराध संख्या 287/2022 से जुड़ा है। इसमें धारा 3(1) यूपी गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की गई थी। पुलिस के अनुसार, अफरोज खां उर्फ चुन्नू और उसके गैंग के सदस्यों पर आपराधिक गतिविधियों तथा कथित बेनामी लेन-देन के जरिए अवैध संपत्ति अर्जित करने के आरोप लगाए गए

थे। पुलिस जांच के दौरान सोनभद्र के ओबरा तहसील क्षेत्र के पटवध और बिल्ली मारकुंडी में कई संपत्तियों का पता चला था। पुलिस-प्रशासन के अनुसार, चिह्नित संपत्तियां अफरोज खां के भाई उमेर खां और उनकी पत्नी यास्मीन बानो के नाम पर दर्ज थीं। इनमें करीब 12 भूखंड, अन्य जमीनें, चार मंजिला मकान और बेसमेंट समेत बहुमंजिला कटरा शामिल है। प्रशासन ने इन संपत्तियों की अनुमानित कीमत करीब 43 करोड़ रुपए आंकी थी।

बांध पर डेरा डालने को मजबूर ग्रामीण जंगली जानवरों का भी बढ़ा खतरा, रोशनी, भोजन और सुरक्षित नावों की ग्रामीणों ने की मांग

कटान के साथ फिर गांवों की ओर बढ़ा बाढ़ का पानी

तमसा संकेत, एजेंसी

सूरतगंज (बाराबंकी)। ब्लॉक क्षेत्र के हेतमापुर और केदारीपुर में घाघरा नदी का कटान लगातार जारी है। इसी बीच एक बार फिर नदी का पानी आसपास के दर्जनों गांवों की ओर बढ़ने लगा है। अकौना, सकटापुर, क्योलीपुरवा, तेवराइनपुरवा, पर्वतपुर, सुंदरनगर, ललपुरवा, कोड़री, बाबापुरवा, मदरहा और कोयलीपुरवा समेत कई गांवों में बाढ़ का खतरा दोबारा बढ़ गया है। पानी का रुख गांवों की ओर होने से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। पूर्व में आई बाढ़ के दौरान अपना घर छोड़कर बांध की शरण लेने वाले ग्रामीण अभी पूरी तरह अपने घरों को लौट भी नहीं पाए थे कि एक बार फिर बाढ़ का

संकट सामने आ गया। हालात को देखते हुए कई परिवारों ने दोबारा बांध पर डेरा डालना शुरू कर दिया है। ग्रामीण त्रिपाल लगाकर खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हैं। दिन में उमस और रात में अंधेरे के बीच बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों के लिए परेशानी और बढ़ गई है। ग्रामीणों के मुताबिक बुधवार रात बांध के पास एक भेड़िए ने बकरी को अपना निवाला बना लिया। घटना के बाद बांध पर रह रहे लोगों में जंगली जानवरों को लेकर भय और बढ़ गया है।

बांध पर दो दर्जन से अधिक लोग ले रहे शरण

सुंदरनगर गांव निवासी बरकत अली पुत्र शौकत अली ने बताया कि बांध पर करीब दो दर्जन से अधिक लोग त्रिपाल के सहारे शरण लिए हुए हैं। इनमें छोटे बच्चे और बुजुर्ग भी शामिल हैं। उनका कहना है कि बांध पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था नहीं है। रात होते ही चारों ओर अंधेरा छा जाता है। ऐसे में जंगली जीव-जंतुओं का खतरा बना रहता है और परिवारों को बच्चों की सुरक्षा की चिंता सताती रहती है।

सुंदरनगर निवासी जनकलाल, बिट्टो और नाजिरुन समेत अन्य ग्रामीणों ने प्रशासन से बांध पर तत्काल प्रकाश व्यवस्था कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि बाढ़ प्रभावित परिवारों के लिए लंच पैकेट, राशन और अन्य जरूरी राहत सामग्री भी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराई जानी चाहिए। बाढ़ के कारण रोजमर्रा की जिंदगी प्रभावित है और कई परिवारों के सामने भोजन की भी समस्या खड़ी हो रही है।

पानी बढ़ा तो फिर छोड़ना पड़ सकता है घर

ग्रामीणों का कहना है कि घाघरा नदी के कटान से पहले ही बड़ी मात्रा में उपजाऊ कृषि भूमि नदी में समा चुकी है। अब पानी का रुख दोबारा गांवों की तरफ होने से लोगों की चिंता और बढ़ गई है। ग्रामीणों को आशंका है कि यदि नदी का जलस्तर और बढ़ा तो उन्हें एक बार फिर अपने घरों और बची-खुची गृहस्थी को छोड़कर बांध पर शरण लेनी पड़ सकती है। बाढ़ प्रभावित ग्रामीणों ने नावों की व्यवस्था को लेकर भी चिंता जताई है। उनका आरोप है कि यहां चल रही कई नावों में पानी छन रहा है। नाव में पानी भरने के बाद यात्रियों को बार-बार उसे बाहर निकालना पड़ता है।

आयोजन : एक हजार से ज्यादा महिलाओं ने लिया हिस्सा, महिला सम्मान, विधायक हुए शामिल

उन्नाव में शक्ति वंदन रक्षा महोत्सव

तमसा संकेत, एजेंसी

महिलाओं की बड़ी संख्या को देखते हुए कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा के इंतजाम किए गए थे। पुलिसकर्मियों के साथ आयोजकों के कार्यकर्ताओं को भी अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई थीं। प्रवेश द्वार और प्रेक्षागृह परिसर में निगरानी रखी गई। कार्यक्रम शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ।

उन्नाव। उन्नाव में निराला प्रेक्षागृह में गुरुवार दोपहर शक्ति वंदन रक्षा महोत्सव का आयोजन किया गया। सदर विधायक पंकज गुप्ता की ओर से आयोजित कार्यक्रम में एक हजार से अधिक महिलाओं ने सहभागिता की। बड़ी संख्या में महिलाओं की मौजूदगी से प्रेक्षागृह परिसर में उत्सव जैसा माहौल रहा। कार्यक्रम में महिला सम्मान, सुरक्षा और नारी शक्ति को लेकर जागरूकता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी, विमल द्विवेदी समेत पार्टी के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। वक्ताओं ने कहा कि समाज के विकास में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान केवल परिवार ही

नहीं, बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी है। महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने और किसी भी परेशानी की स्थिति में संबंधित विभाग या पुलिस से संपर्क करने की अपील की गई।कार्यक्रम में एक हजार से अधिक महिलाओं के पहुंचने का दावा किया गया।

नारी शक्ति और आत्मनिर्भरता पर जोर

शक्ति वंदन रक्षा महोत्सव में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने और अपने अधिकारों के लिए जागरूक रहने का संदेश दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि महिला अब केवल परिवार की जिम्मेदारी तक सीमित नहीं है। शिक्षा, रोजगार, राजनीति, प्रशासन और सामाजिक क्षेत्र में भी महिलाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्हें आगे बढ़ने के लिए सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण उपलब्ध कराना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।

सुबह से ही महिलाओं के आने का सिलसिला शुरू हो गया था। दोपहर तक प्रेक्षागृह में बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद रहीं। आयोजकों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रवेश, बैठने और अन्य व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी संभाली।

महिला सम्मान और सशक्तीकरण का दिया संदेश

आयोजन के जरिए महिला सम्मान, सुरक्षा और सशक्तीकरण का संदेश देने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम में मौजूद महिलाओं ने भी महिला सुरक्षा और सम्मान से जुड़े मुद्दों पर अपनी बात रखी। समापन पर आयोजकों ने कार्यक्रम में शामिल हुईं महिलाओं और अतिथियों का आभार जताया। महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने और किसी भी परेशानी की स्थिति में संबंधित विभाग या पुलिस से संपर्क करने की अपील की गई।

गंगा के जलस्तर में 24 घंटे में 7 सेमी की गिरावट

उन्नाव में निचले इलाकों में अभी भी भरा है बाढ़ का पानी, बिजली कटौती से मुसीबत

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में गंगा का जलस्तर खतरे के निशान के करीब पहुंचने के बाद अब धीरे-धीरे कम होने लगा है। पिछले कुछ दिनों से जलस्तर में उतार-चढ़ाव देखा जा रहा था। गुरुवार सुबह केंद्रीय जल आयोग के अनुसार गंगा का जलस्तर 112.330 मीटर दर्ज किया गया। बुधवार सुबह यह 112.400 मीटर था। इस तरह 24 घंटे में जलस्तर में सात सेंटीमीटर की कमी आई है। हालांकि, जलस्तर में कमी से लोगों को राहत की उम्मीद जगी है, लेकिन गंगा किनारे बसे निचले इलाकों में अभी हालात सामान्य नहीं हुए हैं। पानी कम होने के बावजूद इन इलाकों से

पानी की निकासी पूरी तरह नहीं हो पाई है। केंद्रीय जल आयोग के अनुसार, सोमवार शाम छह बजे गंगा का जलस्तर 112.350 मीटर था। मंगलवार दोपहर तक इसमें ज्यादा बदलाव नहीं हुआ, लेकिन मंगलवार शाम छह बजे जलस्तर बढ़कर 112.410 मीटर पहुंच गया था। बुधवार सुबह इसमें मामूली गिरावट आई और जलस्तर 112.400 मीटर पर आ गया।

गंगाघाट क्षेत्र के गोताखोर, कर्बला, हुसैन नगर, मोहम्मद नगर, रविदास नगर और मनोहर नगर के निचले हिस्सों में अब भी बाढ़ का पानी जमा है। कई गलियों और रास्तों में पानी भरा होने से लोगों को घरों से बाहर निकलने में दिक्कत हो रही है। रोजमर्रा के काम के लिए आने-जाने वाले लोगों को पानी के बीच से होकर गुजरना पड़ रहा है। निचले इलाकों में पानी भरा होने के कारण कई परिवार अभी भी नाव के सहारे आ-जा रहे हैं। गोताखोर क्षेत्र में लोग नाव से जरूरी सामान लेकर आते-जाते दिख रहे हैं। घरों के आसपास पानी जमा होने से बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को सबसे ज्यादा परेशानी हो रही है।

सम्पादकीय

राम मंदिर का संचालन

राम मंदिर ट्रस्ट के पहले मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में पूर्व एयर मार्शल जितेंद्र मिश्र की नियुक्ति यह बताती है कि इस मंदिर की व्यवस्था के संचालन के लिए किसी कुशल पेशेवर की आवश्यकता थी। अच्छा होता कि इस आवश्यकता की पूर्ति पहले ही कर ली जाती। यह अच्छा नहीं हुआ कि यह काम तब किया गया, जब राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी का मामला सामने आया। इस मामले ने मंदिर प्रबंधन की व्यवस्था में खामी को उजागर किया और ट्रस्ट की प्रतिष्ठा को भी धूमिल किया। चूंकि जितेंद्र मिश्र आपरेशन सिंदूर समेत कई सैन्य अभियानों में अपनी दक्षता का परिचय दे चुके हैं, इसलिए आशा की जाती है कि वे राम मंदिर ट्रस्ट के सीईओ के रूप में भी अपने दायित्वों का निर्वहन अच्छी तरह करेंगे और उम्मीदों पर खरे उतरेंगे।

हालांकि किसी मंदिर ट्रस्ट के सीईओ की भूमिका सैन्य अधिकारी से भिन्न होती है, लेकिन दक्षता और कुशल प्रबंधन की मांग हर कहीं होती है। यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि जितेंद्र मिश्र राम मंदिर की देख-रेख, साफ-सफाई के साथ चढ़ावे का प्रबंध सही तरह कर सकने में समर्थ होंगे और साथ ही लोगों को यह भरोसा दिलाने में सफल होंगे कि उनके नेतृत्व में राम मंदिर का संचालन आदर्श तरीके से होगा। ऐसा होना भी चाहिए, क्योंकि यह एक भव्य मंदिर ही नहीं, आस्था का एक बड़ा केंद्र भी है। ऐसे किसी मंदिर में किसी भी तरह की अव्यवस्था के लिए कोई स्थान नहीं हो सकता। राम मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं को हर क्षण इसकी अनुभूति होनी चाहिए कि यहां सब कुछ विधिवत और धर्मसम्मत है।

चूंकि राम मंदिर ट्रस्ट के सीईओ का कार्यक्षेत्र प्रशासनिक दायित्वों तक सीमित है और उनका काम मंदिर के दैनिक प्रशासन की देख-रेख के साथ दर्शन की व्यवस्था और भीड़ का प्रबंधन करने के अतिरिक्त दान और वित्तीय गतिविधियों को संचालित करना होगा, इसलिए ट्रस्ट के अन्य सदस्यों को अपने हिस्से की भूमिका का निर्वाह करने के लिए सजग रहना होगा। इसलिए और भी, क्योंकि धार्मिक अनुष्ठानों से जुड़े मामलों को ट्रस्ट के अन्य सदस्य और विशेष रूप से संतगण देखेंगे। इन मामलों के समुचित अवलोकन से ही राम मंदिर की प्रतिष्ठा बढ़ेगी और वह हिंदू समाज की आस्था के एक बड़े स्थल के रूप में सुशोभित होगा। राम मंदिर उन आदर्शों का प्रकाशपुंज बनना चाहिए, जिनके लिए श्रीराम जाने और पूजे जाते हैं। वैसे तो संत समाज की यह मांग रही है कि राम मंदिर का संचालन उनके द्वारा ही हो, लेकिन एक तो इस पर आम सहमति नहीं और दूसरे, इस मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने और चढ़ावे के लेखा-जोखा के कारण प्रशासनिक मामलों में दक्ष लोगों की भी आवश्यकता है।

शिक्षा कोरी नियुक्ति ही नहीं, मुक्ति का माध्यम बने

> शिक्षा के बदलते स्वरूप के साथ शिक्षक की भूमिका भी बदल रही है। कभी शिक्षा को 'सा विद्या या विमुक्तये' अर्थात् मुक्ति और आत्मविकास का माध्यम माना गया था, लेकिन आज अनेक बार उसका लक्ष्य केवल 'नियुक्ति' प्राप्त करने तक सिमटता दिखाई देता है।

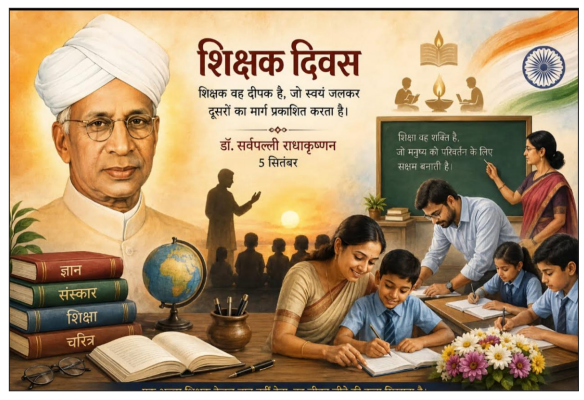

शिक्षक दिवस केवल शिक्षकों के सम्मान का अवसर नहीं, बल्कि भारत की शिक्षा-दृष्टि, शिक्षक की भूमिका और भावी पीढ़ी के निर्माण पर गंभीर आत्ममंथन का दिन है। किसी राष्ट्र का भविष्य केवल उसके विद्यालयों की संख्या, भवनों की भव्यता, पुस्तकों की उपलब्धता या परीक्षाओं के परिणामों से निर्धारित नहीं होता, बल्कि इस बात से तय होता है कि उसके विद्यालयों से निकलने वाला मनुष्य कितना ज्ञानवान, विवेकशील, संवेदनशील, चरित्रवान और उत्तरदायी है। इसलिए आज देश में केवल शिक्षा क्रांति की नहीं, बल्कि शिक्षक क्रांति की भी आवश्यकता है। यदि शिक्षा का स्वरूप बदलना है तो शिक्षा देने वाले व्यक्ति की चेतना, दृष्टि और कार्यशैली में भी परिवर्तन लाना होगा। पूरे देश में समान गुणवत्ता वाली शिक्षा की दिशा में प्रयास तभी सफल होंगे, जब प्रत्येक बच्चे को समान अवसर के साथ योग्य, संस्कारवान और प्रतिबद्ध शिक्षक मिलें। भारत की परंपरा में शिक्षा का अर्थ कभी केवल सूचना और रोजगार प्राप्त करना नहीं रहा। हमारी ज्ञान-परंपरा में गुरु वह था जो अज्ञान के अंधकार से ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाता था। 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' भारतीय शिक्षा-दृष्टि की मूल चेतना को भी व्यक्त करता है। विद्या वह है जो मनुष्य के भीतर विवेक जगाए, उसके आचरण को परिष्कृत करे, उसे आत्मसंयम सिखाए और समाज एवं राष्ट्र के प्रति उत्तरदायी बनाए। आज यदि शिक्षा का अर्थ केवल नौकरी, पद, वेतन और प्रतिस्पर्धा तक सीमित होता जा रहा है तो हमें शिक्षा की आत्मा को पुनः खोजने की आवश्यकता है।

ज्ञान का मूल्य इस आधार पर तय होने लगा है कि उससे कितनी आय और कितना ऊंचा पद प्राप्त किया जा सकता है। शिक्षित होने की आकांक्षा बढ़ी है, लेकिन सुशिक्षित और संस्कारित होने की आकांक्षा उसी अनुपात में नहीं बढ़ी। यह स्थिति केवल शिक्षा व्यवस्था की नहीं, बल्कि पूरे समाज की चिंता का विषय है। आज शिक्षा के व्यवसायीकरण ने इस संकट को और गहरा किया है। शिक्षा जहां मिशन और सामाजिक दायित्व होनी चाहिए थी, वहां कई स्थानों पर वह व्यवसाय का रूप लेती दिखाई देती है। जब ज्ञान की कीमत बाजार तय करने लगे और शिक्षक की सफलता केवल परिणाम तथा वेतन से मापी जाने लगे, तब शिक्षा के मानवीय और संस्कारात्मक पक्ष का कमजोर होना स्वाभाविक है। इसके साथ गुरु-शिष्य संबंधों में भी अनेक स्तरों पर दूरी दिखाई दे रही है। शिक्षकों और विद्यार्थियों के बीच दुर्व्यवहार, अनुशासनहीनता और हिंसा की घटनाएं हमें चेताती हैं कि केवल पाठ्यक्रम बदलने से शिक्षा का संकट समाप्त नहीं होगा। हमें संबंधों की संस्कृति, संवाद की परंपरा और पारस्परिक सम्मान को भी पुनर्जीवित करना होगा। महान दार्शनिक और शिक्षक डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जीवन इस बात का उदाहरण है कि शिक्षक केवल पेशा नहीं, एक जीवन-दृष्टि हो सकता है। उन्होंने अपने जन्मदिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाए जाने की इच्छा व्यक्त की थी। तभी से 5 सितंबर देश में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। उनके जीवन से यह संदेश मिलता है कि शिक्षक का सम्मान केवल इसलिए नहीं कि वह पढ़ाता है, बल्कि इसलिए कि वह समाज की चेतना को दिशा देता है। वर्तमान समय में शिक्षक की भूमिका पहले से अधिक चुनौतीपूर्ण हो गई है। विद्यार्थी के सामने आज पुस्तक के अतिरिक्त इंटरनेट, सामाजिक माध्यम, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और असंख्य डिजिटल स्रोत उपलब्ध हैं। ऐसी स्थिति में शिक्षक की उपयोगिता कम नहीं हुई, बल्कि और बढ़ी है। अब शिक्षक को केवल जानकारी देने वाला नहीं, बल्कि सही जानकारी और गलत सूचना में अंतर समझाने वाला मार्गदर्शक बनना होगा। उसे विद्यार्थी को यह सिखाना होगा कि ज्ञान का उपयोग किस उद्देश्य से और किस जिम्मेदारी के साथ किया जाए। तकनीक शिक्षा का विकल्प नहीं, शिक्षक के हाथ में एक प्रभावी साधन बननी चाहिए।

महात्मा गांधी ने सर्वांगीण विकास में आत्मा, मस्तिष्क, वाणी और कर्म के संतुलन को महत्व दिया था। स्वामी विवेकानंद के अनुसार शिक्षा का उद्देश्य मनुष्य के भीतर निहित शक्तियों को जागृत करना है। इन दोनों दृष्टियों को आज की शिक्षा व्यवस्था से जोड़ना अत्यंत आवश्यक है। विद्यार्थी का मस्तिष्क ज्ञान से समृद्ध हो, हाथ कौशल से सक्षम हों, हृदय करुणा से भरा हो और चरित्र सत्य तथा ईमानदारी पर आधारित हो-यही वास्तविक सर्वांगीण शिक्षा है। केवल प्रतिभाशाली मनुष्य नहीं, बल्कि श्रेष्ठ मनुष्य बनाना शिक्षा का लक्ष्य होना चाहिए। आचार्य महाप्रज्ञ ने व्यक्तित्व-निर्माण को अत्यंत कठिन कार्य माना और इसके लिए निःस्वार्थ तथा जागरूक शिक्षक की आवश्यकता बताई। वास्तव में शिक्षक का सबसे प्रभावी पाठ उसकी पुस्तक नहीं, उसका अपना जीवन होता है। विद्यार्थी शिक्षक की कही बात से अधिक उसके व्यवहार को ग्रहण करता है। शिक्षक सत्यनिष्ठ है तो सत्य का संस्कार देता है, समय का सम्मान करता है तो अनुशासन सिखाता है, विनम्र है तो विनम्रता पैदा करता है और अपने कर्तव्य के प्रति समर्पित है तो समर्पण का उदाहरण बनता है। इसलिए शिक्षक प्रशिक्षण केवल नई शिक्षण पद्धतियों और तकनीकों तक सीमित नहीं होना चाहिएय उसमें चरित्र, संवेदनशीलता, संवाद-कौशल, मानसिक संतुलन, नैतिक नेतृत्व और भारतीय मूल्य-दृष्टि का भी प्रशिक्षण होना चाहिए।

शिक्षा को केवल परीक्षा और अंकों के दायरे से बाहर निकालना भी समय की मांग है। अच्छे अंक प्राप्त करना महत्वपूर्ण हो सकता है, लेकिन अच्छे अंक अच्छे मनुष्य होने की गारंटी नहीं हैं। राष्ट्र को कुशल वैज्ञानिक, चिकित्सक, अभियंता और प्रबंधक जितने चाहिए, उतने ही ईमानदार नागरिक, संवेदनशील परिवारजन, जिम्मेदार सामाजिक कार्यकर्ता और विवेकशील नेतृत्वकर्ता भी चाहिए। इसलिए मूल्यांकन में ज्ञान के साथ रचनात्मकता, समस्या-समाधान, सहयोग, सामाजिक संवेदना, नैतिक निर्णय क्षमता और व्यवहार को भी महत्व मिलना चाहिए। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने शिक्षा को अधिक समग्र, लचीला, कौशल-आधारित और भारतीय ज्ञान परंपरा से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण विचार सामने रखे हैं। लेकिन किसी नीति की वास्तविक सफलता उसके दस्तावेज में नहीं, उसके धरातलीय परिणामों में दिखाई देती है। छह वर्ष के अनुभव के बाद यह आवश्यक है कि सरकार, शिक्षाविद, शिक्षक, अभिभावक और समाज मिलकर निष्पक्षता से समीक्षा करें कि नीति के कौन-से उद्देश्य विद्यालयों तक प्रभावी रूप से पहुंचे और कहां अभी दूरी बनी हुई है।

ललित गर्ग

परिवार जीवन का आधार

परिवार मानव जीवन की वो संजीवनी बूटी हैं जिसकी मज़बूत जड़े व आधार हमारे को जीवन भर मिलता हैं । परिवार हैं तो सबकी पहचान हैं बिन परिवार के एकाकी या अलग - अलग किसी की कोई पहचान नहीं हैं । दुःख हैं तो परिवार के साथ इसका निदान होता हैं और सूख है तो परिवार के साथ ख़ुशियाँ बाटने में सूख बढ़ता हैं । अपवाद वस कही -कही हम यह देख सकते हैं की परिवार का कही सहयोग नहीं होता हैं बाहर समाज वाले या अन्य लोगों का सहयोग मिल जाता हैं वह जीवन सतत् गतिमान रहता हैं व इसके भी अलग - अलग मत होते हैं । समय का उतार - चढ़ाव होता रहता हैं , होता आया हैं व आगे भी होता रहेगा । उतार में सब बिखरते हैं लेकिन चढ़ाव में सब बिखरे हुए जुड़ जातें हैं या यों कहे की मन के गिले - शिकवे दूर हों जातें हैं और परिवार में आपस में कड़ियाँ जुड़कर सफल जीवन का आधार होते है । परिवार के ऊपर मैं दो सच्ची घटना रख रहा हूँ । एक सामूहिक परिवार था परिवार के बड़े बेटे के बड़े पुत्र का कार दुर्घटना में देहावसान हो गया और उसकी मृत्यु के 4 बाद उनके पुत्र हुआ । पहले उनके 3 पुत्रियाँ थी । बड़ी बेटी की शादी की बारी आयी तो परिवार ने सामूहिक होकर शादी की । दूसरी बेटी की शादी की बारी आयी जों बोल - सून नहीं सकती थी उसके लियें पाँव में पोलियो से ग्रस्त एक सुयोग्य लड़का मिला व सूखी जीवन उसका शुरू हों गया । अब तीसरी बेटी की शादी की बारी आयी तो फिर साथ में परिवार मिला व अच्छे से अच्छा घर उसको मिला व लड़के वालों ने ही शादी की पुरी व्यवस्था ख़र्च सहित अच्छे से अच्छी कर दी और यह शादी भी आनन्दपूर्वक अच्छे तरीक़े से सम्पन्न हुई । बेटा बड़ा हुआ और काम में लग गया । दूसरी घटना परिवार के बड़े बेटे के 4 पुत्र के पास काम करने का आधार नहीं था वो चिन्ता में आ गये बुरी तरह और दुःखी हुए वो अलग । तब उनके बड़े भाई ने उनको आर्थिक सहयोग किया व उनकी ज़िन्दगी शुरू करवायी व उनके परिवार को ख़ुशी दी । यह दोनो घटनाये लिखने में ज़रूर छोटी हैं लेकिन इनके भाव व इसके पीछे के दर्द का कोई शब्द नहीं हैं । यह परिवार का आधार हैं । अपने विवेक को न खोकर उसके उन्माद में परिवार के साथ रहना बहुत जरूरी हैं ,लेकिन पारिवारिक रिश्तों में दरार आने से बचाने के लिए अनेकान्त रूपी विचारों से अपने अभिमान को त्यागकर हार जाने में भी जीत का गहरा राज छिपा है।

> प्रदीप छाजेड़

गोकुल में यशोदा के...

कुमार कृष्णन

कृष्ण का जन्म : अंधकार में प्रकाश का अवतरण

कृष्ण का जन्म केवल एक बालक का जन्म नहीं है। वह उस क्षण का नाम है जब अंधकार के बीच प्रकाश उतरता है, भय के बीच निर्भयता जन्म लेती है और अत्याचार के बीच प्रतिरोध की पहली आहट सुनाई देती है। इसलिए जन्माष्टमी केवल उत्सव नहीं, आत्मचिंतन का अवसर भी है। यह पूछने का अवसर कि कृष्ण हमारे समय में कहां हैं और हमारे भीतर उनका जन्म कब होगा।

भागवत कृष्ण को लीला-पुरुषोत्तम के रूप में देखता है, जबकि गीता उन्हें कर्म, ज्ञान और भक्ति के समन्वयकारी पुरुष के रूप में हमारे सामने रखती है। कृष्ण का व्यक्तित्व जितना विराट है, उतना ही मानवीय भी। वे जीवन से भागने की नहीं, जीवन के बीच जागने की शिक्षा देते हैं। भगवान विष्णु ने द्वापर युग में कृष्ण के रूप में अवतार लिया—ऐसी भारतीय धार्मिक परंपरा की मान्यता है। भागवत पुराण की कथा के अनुसार, उनके जन्म से पहले ही देवकी और वसुदेव के सामने उनका चतुर्भुज रूप प्रकट हुआ। उन्होंने अपने माता-पिता को आश्वस्त किया कि वे उनके पुत्र के रूप में जन्म लेने वाले हैं और कंस के अत्याचार का अंत करेंगे। देवकी और वसुदेव ने उनसे बाल रूप धारण करने का आग्रह किया और देखते-देखते वह विराट सत्ता एक नवजात शिशु के

रूप में माता की गोद में आ गई।

कृष्ण का जन्म कंस के कारागार में हुआ था। बाहर सत्ता का आतंक था और भीतर एक नवजात शिशु। यह विरोधाभास ही कृष्ण-कथा का पहला बड़ा प्रतीक है। जहां अत्याचार अपने को अजेय समझता है, वहीं परिवर्तन अक्सर सबसे कमजोर और असहाय दिखाई देने वाले रूप में जन्म लेता है। कंस के पास सत्ता थी, सैनिक थे, कारागार था, भय पैदा करने की पूरी व्यवस्था थी; कृष्ण के पास केवल जीवन था। लेकिन इतिहास ने अंततः यह सिद्ध किया कि सत्ता की दीवारें जीवन की आहट को हमेशा कैद नहीं रख सकतीं।

कृष्ण के जन्म की रात मूसलाधार वर्षा हो रही थी। कारागार के द्वार खुल गए और पहरेदार निद्रा में पड़ गए। वसुदेव कृष्ण को टोकरी में लेकर गोकुल की ओर चल पड़े। रास्ते में उफनती यमुना मिली। वे बालक को सिर पर उठाए नदी पार करने लगे। कृष्ण के चरणों का स्पर्श पाने के लिए यमुना का जल ऊपर उठता गया और जैसे ही उसने भगवान के चरणों को छुआ, उसका वेग शांत हो गया।

यह प्रसंग केवल चमत्कार की कथा नहीं है। इसमें भारतीय अध्यात्म का एक गहरा संकेत छिपा है—जब मनुष्य अपने भीतर के प्रकाश को लेकर अंधकार से बाहर निकलता है, तब सबसे उफनती हुई बाधाएं भी रास्ता देने लगती हैं। जीवन की नदियां हमेशा शांत नहीं होतीं। कभी वे भय, मोह, संकट और असफलता के रूप में हमारे सामने आती हैं। लेकिन जिस मनुष्य के भीतर विश्वास का दीप जल रहा हो, वह अंधकार को अंतिम सत्य नहीं मानता।

गोकुल में यशोदा के घर कृष्ण का पालन हुआ। उनका जन्म देवकी से हुआ, लेकिन उनका बचपन यशोदा की गोद में बीता। यही कृष्ण के व्यक्तित्व की एक अद्भुत विशेषता है—वे रक्त के संबंध से अधिक प्रेम के संबंध को महत्त्व देते हैं। देवकी जन्मदात्री हैं, यशोदा पालनकर्त्री; लेकिन कृष्ण की स्मृति में दोनों मातृत्व की समान ऊंचाई पर हैं। कृष्ण इस अर्थ में भी प्रेम के देवता हैं कि वे संबंधों को केवल रक्त और जन्म से नहीं, संवेदना और समर्पण से परिभाषित करते हैं। कृष्ण की बाल-लीलाएं—माखन चोरी, गोपियों के साथ रास, बांसुरी की धुन, कालिया-दमन और गोवर्धन धारण—भारतीय लोकमानस में आज भी जीवित हैं। भागवत इन लीलाओं में भक्ति की ऐसी अनुभूति देखता है जिसमें भक्त और भगवान के बीच की दूरी समाप्त हो जाती है। गोपियों का कृष्ण के प्रति प्रेम सांसारिक आकर्षण नहीं, बल्कि आत्मा का परमात्मा के प्रति पूर्ण समर्पण बन जाता है। यही भावना आगे चलकर भक्ति योग का आधार बनती है। भक्ति केवल पूजा-पद्धति नहीं, अहंकार का विसर्जन है। जब मनुष्य अपने कर्म, फल और अहंकार को ईश्वर को समर्पित कर देता है, तब उसका जीवन साधना बन जाता है।

स्नातक स्तर...

डॉ0 सीमा गुप्

जनपद आजमगढ़ में उद्यमशीलता का नवोन्मेषः मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान से सशक्त होती आत्मनिर्भरता

उत्तर प्रदेश के आर्थिक परिदृश्य में वर्तमान समय में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (डैडम्) की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो चुकी है। राज्य के समग्र विकास की प्राथमिकताओं के केंद्र में अब केवल बड़े औद्योगिक निवेश ही नहीं, बल्कि स्थानीय स्तर पर जमीनी उद्यमशीलता का सुदृढ़ीकरण भी है। इस दिशा में प्रदेश सरकार द्वारा संचालित 'मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान' राज्य की ऊर्जावान युवा जनशक्ति को आजीविका की तलाश करने वाले वर्ग से आगे बढ़ाकर आर्थिक गतिविधियों के सूत्रधार और रोजगार प्रदाता के रूप में स्थापित कर रहा है। जनपद आजमगढ़ में इस योजना का प्रभाव केवल वित्तीय सहायता के वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह ग्रामीण व अर्ध-शहरी युवाओं में व्यावसायिक आत्मविश्वास, स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता के नए मानक स्थापित कर रहा है। स्थानीय स्तर पर उद्यमशीलता की संस्कृति को विकसित करने के उद्देश्य से योजना के तहत एक सुगम, पारदर्शी और व्यावहारिक वित्तीय व्यवस्था को तैयार किया गया है। योजना के प्रावधानों के अनुसार 21 से 40 वर्ष की आयु वर्ग के न्यूनतम आठवीं उत्तीर्ण शिक्षित युवाओं को विनिर्माण, सेवा क्षेत्र, फ्रेंचाइजी तथा 'बिजनेस ऑन व्हील्स' जैसे क्षेत्रों में नवीन सूक्ष्म इकाइयां स्थापित करने हेतु संस्थागत वित्तपोषण उपलब्ध कराया जा रहा है। योजना के अंतर्गत प्रथम चरण में 5 लाख रुपये तक की सूक्ष्म परियोजनाओं के लिए बिना किसी गारंटी (सी.जी.टी.एम.एस.ई कवर्ड) के शत-प्रतिशत ब्याज उपादान (चार वर्षों तक ब्याज-मुक्त ऋण) तथा परियोजना लागत पर 10 प्रतिशत मार्जिन मनी अनुदान की सुविधा दी गई है। यह नीतिगत संरक्षण उन युवाओं के लिए वरदान साबित हो रहा है, जिनके पास कार्यकुशलता और विचार तो हैं, परंतु पूंजी और जमानत के अभाव में वे अपना व्यवसाय आरंभ करने में असमर्थ थे।

जनपद आजमगढ़ में जिला प्रशासन, जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केंद्र तथा अग्रणी बैंकों के निरंतर समन्वय से योजना का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है। जनपद में अब तक लगभग 6,500 युवाओं के ऋण प्रस्ताव स्वीकृत कर उन्हें वित्तीय मुख्यधारा से जोड़ा जा चुका है। इस पहल का सबसे महत्वपूर्ण सामाजिक-आर्थिक पहलू यह है कि इसने रोजगार के अभाव में मजबूरी वश महानगरों की ओर होने वाले पलायन को रोकने में उल्लेखनीय भूमिका निभाई है। स्थानीय स्तर पर अनुकूल व्यावसायिक वातावरण मिलने से युवा अब अपने गृह क्षेत्र में ही रहकर अपनी आजीविका का स्थायी मार्ग चुन रहे हैं। इस संरचनात्मक बदलाव का एक प्रामाणिक और प्रेरक उदाहरण जनपद आजमगढ़ के बधाईगंज क्षेत्र में देखने को मिलता है। स्नातक स्तर तक की शिक्षा प्राप्त करने वाले स्थानीय युवा हरेन्द्र यादव को सीमित आर्थिक परिस्थितियों के कारण आजीविका की खोज में देश की आर्थिक राजधानी मुंबई का रुख करना पड़ा था। महानगर में लगभग 12 वर्षों तक कठिन परिश्रम और संघर्ष करने के बावजूद स्वयं का उद्यम स्थापित करने का उनका सपना पूंजी के अभाव में अधूरा ही रहा।

जरा हटके

स्मार्ट क्लासरूम ...

आशिया खातून

प्रदेश के सर्वोदय विद्यालयों के विद्यार्थियों को दी जायेगी नवीन तकनीकी शिक्षा

शिक्षा का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। डिजिटल तकनीक आज केवल सुविधा नहीं, बल्कि गुणवत्तापूर्ण और प्रभावी शिक्षा का महत्वपूर्ण माध्यम बन चुकी है। ऐसे समय में उत्तर प्रदेश सरकार भी अपने विद्यार्थियों को पारंपरिक शिक्षा के साथ आधुनिक तकनीक से जोड़ने की दिशा में निरंतर कदम उठा रही है। इसी क्रम में समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालयों में स्मार्ट क्लासरूम की शुरुआत एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में सामने आई है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को तकनीक आधारित शिक्षा उपलब्ध कराने के साथ उनकी प्रतिभा, जिज्ञासा और सीखने की क्षमता को नई दिशा देना है।

करीब 35 करोड़ रुपये की ब्ृैत् परियोजना के तहत शुरू की गई इस पहल के प्रथम चरण में पांच जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालयों में एक-एक स्मार्ट क्लासरूम तैयार किया गया है। यह पहल केवल कक्षाओं को आधुनिक उपकरणों से लैस करने तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों को भविष्य की बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करने की व्यापक सोच है। उत्तर प्रदेश में समाज कल्याण विभाग द्वारा कुल 103 सर्वोदय विद्यालयों का संचालन किया जा रहा है। इन विद्यालयों का उद्देश्य विशेष रूप से ऐसे विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर शैक्षिक वातावरण उपलब्ध कराना है, जिन्हें बेहतर अवसरों की आवश्यकता है। स्मार्ट क्लासरूम परियोजना के प्रथम चरण के लिए पांच विद्यालयों का चयन किया गया है। इनमें निडोरी (गाजियाबाद), बदनौरा (बुलंदशहर), हस्तिनापुर (मेरठ), बरेली और पीलीभीत के सर्वोदय विद्यालय शामिल हैं। इन विद्यालयों में तैयार किए गए स्मार्ट क्लासरूम विद्यार्थियों को कक्षा में विषयों को अधिक रोचक और प्रभावी ढंग से समझने का अवसर देंगे। अब कठिन लगने वाले विषयों को डिजिटल सामग्री, दृश्य प्रस्तुति और आधुनिक शिक्षण तकनीकों के माध्यम से सरल तरीके से समझाया जा सकेगा।

स्मार्ट क्लासरूम की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां पढ़ाई केवल किताब और ब्लैकबोर्ड तक सीमित नहीं रहेगी। आधुनिक सुविधाओं से लैस इन कक्षाओं में स्मार्ट बोर्ड और स्मार्ट पैनल लगाए गए हैं। इसके अलावा विद्यार्थियों की सुविधा के लिए दो एयर कंडीशनर और वुडेन फ्लोरिंग की व्यवस्था भी की गई है। स्मार्ट बोर्ड और डिजिटल पैनल के माध्यम से शिक्षक विषय से संबंधित चित्र, वीडियो, ग्राफिक्स और अन्य डिजिटल सामग्री का उपयोग कर सकेंगे। इससे विद्यार्थियों को विषयों को देखने, समझने और उनके साथ जुड़ने का अवसर मिलेगा।

उदाहरण के लिए विज्ञान के किसी जटिल विषय को केवल पुस्तक में पढ़ने के बजाय उसके चित्रात्मक और डिजिटल प्रदर्शन के माध्यम से समझाया जा सकता है। भूगोल के विषयों को नक्शों और दृश्य सामग्री के जरिए अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। गणित जैसे विषयों में भी डिजिटल उदाहरण और इंटरैक्टिव सामग्री विद्यार्थियों की समझ को बेहतर बनाने में सहायक हो सकती है। स्मार्ट क्लासरूम केवल पढ़ाई का तरीका बदलने की पहल नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों के भविष्य को नई दिशा देने का प्रयास है। प्रदेश सरकार का उद्देश्य है कि प्रत्येक विद्यार्थी आधुनिक तकनीक और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से जुड़े तथा भविष्य की प्रतिस्पर्धाओं के लिए स्वयं को तैयार करें। आज का विद्यार्थी आने वाले समय में जिस दुनिया में प्रवेश करेगा, वहां डिजिटल ज्ञान और तकनीकी दक्षता का महत्व लगातार बढ़ता जा रहा है। ऐसे में विद्यालय स्तर से ही विद्यार्थियों को तकनीक के साथ सहज बनाना जरूरी है। प्रदेश सरकार की यह पहल इस दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है कि प्रतिभा किसी एक वर्ग, क्षेत्र या सुविधा तक सीमित नहीं होनी चाहिए। यदि किसी विद्यार्थी में सीखने की क्षमता और आगे बढ़ने का जज्बा है तो उसे आधुनिक संसाधनों तक पहुंच मिलनी चाहिए। स्मार्ट क्लासरूम इसी सोच को मजबूत करने का माध्यम बनेंगे।

इस परियोजना का एक महत्वपूर्ण पहलू सरकार और निजी क्षेत्र के बीच सहयोग भी है। थ्प्त्ृैज् व्प्ळप्छ छमगजळमद म्कनजमबी च्अजण् स्जकण् के सहयोग से ब्ृैत् के माध्यम से शुरू की गई यह परियोजना शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र में सरकारी प्रयासों को सामाजिक और कॉरपोरेट भागीदारी से नई गति दी जा रही है। करीब 35 करोड़ रुपये की ब्ृैत् परियोजना के माध्यम से स्मार्ट शिक्षा के विस्तार का लक्ष्य यह भी है कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा केवल सरकारी विभागों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के विभिन्न वर्गों की साझा जिम्मेदारी भी है। यदि ऐसे प्रयास निरंतर आगे बढ़ते हैं तो सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को भी वे आधुनिक शैक्षिक सुविधाएं मिल सकती हैं, जो अक्सर निजी संस्थानों की पहचान मानी जाती रही हैं।

आज दुनिया तेजी से डिजिटल अर्थव्यवस्था और तकनीकी नवाचार की ओर बढ़ रही है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, डिजिटल कम्युनिकेशन, ऑनलाइन लर्निंग और नई तकनीकों ने रोजगार तथा शिक्षा की परिभाषा को बदल दिया है। ऐसे समय में विद्यार्थियों को केवल पाठ्यक्रम तक सीमित रखना पर्याप्त नहीं है। उन्हें बदलती दुनिया के लिए तैयार करना भी शिक्षा का महत्वपूर्ण उद्देश्य है। उत्तर प्रदेश के सर्वोदय विद्यालयों में स्मार्ट क्लासरूम की शुरुआत इसी व्यापक बदलाव की दिशा में एक कदम है। यह पहल विद्यार्थियों को तकनीक से जोड़ने के साथ उनके भीतर सीखने की नई संभावनाओं को जन्म देगी। पहले चरण में पांच विद्यालयों से शुरू हुआ यह प्रयोग आने वाले समय में प्रदेश के अन्य सर्वोदय विद्यालयों तक विस्तार ले सकता है। दूसरे चरण में स्मार्ट क्लासरूम और ऑनलाइन शिक्षा के विस्तार की योजना इस दिशा में आगे की संभावनाओं को स्पष्ट करती है।

प्रदेश सरकार द्वारा शुरू किये गये स्मार्ट क्लासरूम का यह सफर स्मार्ट शिक्षा, डिजिटल सशक्तीकरण और स्मार्ट भविष्य की ओर बढ़ता हुआ कदम है। आज इन कक्षाओं में विद्यार्थी नई तकनीक के साथ सीखेंगे, कल यही विद्यार्थी तकनीक का इस्तेमाल कर अपने सपनों को नई उड़ान देंगे।

ट्रस्ट के साथ 2-4 बैठक करके कामकाज समझूंगा, फिर जिम्मेदारी संभालेंगे

राम मंदिर के नए सीईओ ने अभी चार्ज नहीं संभाला

बैठक

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या। पूर्व एयर मार्शल जीतेंद्र मिश्रा गुरुवार सुबह अयोध्या पहुंचे। रामलला के दर्शन किए। उन्होंने राम मंदिर ट्रस्ट के सदस्यों के साथ बैठक की। इसके बाद मीडिया से बातचीत में कहा- इस बैठक में सभी सदस्यों ने एक-दूसरे के बारे में और काम करने के तरीकों को समझा। अगले 2 से 5 दिनों तक बैठक कर मंदिर से जुड़े कामकाज को अच्छी तरह समझूंगा। इसके बाद CEO के रूप में जिम्मेदारी संभालूंगा। हालांकि, इससे पहले सूचना आई थी कि उन्होंने CEO पद की जिम्मेदारी

संभाल ली है। जीतेंद्र मिश्रा ने कहा कि 17 साल की उम्र में देवरिया के अपने गांव से निकले। 60 साल की उम्र तक भारतीय वायु सेना में राष्ट्र सेवा की। अब भगवान श्रीराम ने राम मंदिर और राम भक्तों की सेवा करने का एक और अवसर दिया है। इससे पहले सुबह 10 बजे जीतेंद्र मिश्रा अयोध्या एयरपोर्ट पहुंचे।

हालांकि, राम मंदिर ट्रस्ट में तीर्थ क्षेत्र कार्यालय के गेट पर मीडिया को देखकर वह नाराज हो गए। सवाल पूछने पर कहा- देखिए, मैं आप सबको पहचान रहा हूं, दोबारा आने नहीं दूंगा। अगर ये काम आप मेरे साथ करेंगे।

सीईओ की नियुक्ति पर किसने क्या कहा

जीतेंद्र मिश्रा मूलरूप से देवरिया के बनकटा ब्लॉक के भोपतपुरा गांव के रहने वाले हैं। उन्हें 6 दिसंबर, 1986 को एयरफोर्स एकेडमी से भारतीय वायुसेना की फाइटर स्ट्रीम में कमीशन मिला था। वह इसी साल 30 अप्रैल को रिटायर हुए थे। भगवान राम में गहरी आस्था रखने वाले जीतेंद्र मिश्रा को रिटायरमेंट के महज 125 दिनों के भीतर राम मंदिर के CEO की नई जिम्मेदारी मिल गई।

उनका पूरा परिवार दिल्ली में रहता है। परिवार में पत्नी सरिता सिंह, एक बेटा और एक बेटी हैं। सरिता सिंह एयरफोर्स वाइव्स वेलफेयर एसोसिएशन (AFWWA) की अध्यक्ष रही हैं। पिता नथुनी मिश्रा दिल्ली यूनिवर्सिटी में कॉमर्स के प्रोफेसर थे। जीतेंद्र मिश्रा मूलरूप से देवरिया के बनकटा ब्लॉक के भोपतपुरा गांव के रहने वाले हैं।

लखनऊ में मूसलाधार बारिश से सड़कें धंसीं

नाले में कार गिरी, विधानसभा के सामने गड्ढा हुआ

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में सुबह से कई इलाकों में रुक-रुककर बारिश हो रही है। इससे जलभराव के साथ सड़कें धंस रही हैं। गुरुवार को दिनभर में 8.7 मिमी बारिश दर्ज हुई। अभी 2 दिन और इसी तरह बारिश का सिलसिला जारी रहेगा। बीते 3 दिनों से हो रही बारिश के चलते विधानसभा के गेट नंबर-5 के सामने सड़क पर गड्ढा हो गया है। विधानसभा के सामने मरम्मत के लिए नगर-निगम और पीडब्ल्यूडी एक्टिव हो गया। चिनहट, इंदिरानगर, इस्माइलगंज, विकासनगर में सड़कें सीवर के आसपास सड़कें 8 से 12 फीट तक धंस गई हैं। इंदिरा-

नगर में लेखराज मेट्रो स्टेशन के पास सड़क धंसने से एक कार नाले में गिर गई। 2 सितंबर तक लखनऊ में कुल 598.2 मिलीमीटर बारिश हो चुकी है, जबकि सामान्य बारिश 539.3 मिलीमीटर है। इस तरह अब तक 58.9 मिलीमीटर ज्यादा यानी करीब 11 फीसदी ज्यादा बारिश रिकॉर्ड हुई है। लखनऊ में अगस्त में 8 साल में सबसे ज्यादा बारिश रिकॉर्ड की गई। पूरे महीने 330 मिमी बारिश हुई, जिससे मानसून का कोटा पूरा हो गया। बुधवार को लगातार दूसरे दिन भी बारिश का दौर जारी है। रहीमाबाद, सरोजनीनगर और गोमतीनगर समेत शहर के कई इलाकों में देर रात से तेज बारिश हो रही है। आईटी चौराहे से पहले मुख्य मार्ग पर सड़क धंस गई। सड़क के बीच करीब 10 फीट से ज्यादा गहरा गड्ढा बन गया।

फास्ट न्यूज

डीएम कार्यालय के बाहर धरना

उन्नाव। उन्नाव में बारिश के बीच घर बनाने में आ रही बाधा और धमकियों से परेशान हाजीपुर गांव निवासी बसंत कुमार ने गुरुवार को डीएम कार्यालय के बाहर धरना दिया। शाम करीब 4:30 बजे उसने अधिकारियों को शिकायत दी। आरोप लगाया कि परिवार की कुछ महिलाएं उसे मानसिक रूप से परेशान कर रही हैं और घर नहीं बनाने दे रही हैं। विरोध करने पर गाली-गलौज करने के साथ झूठे मुकदमे में फंसाने और जेल भेजने की धमकी देने का भी आरोप लगाया।

सीडीओ ने तीन बीडीओ को नोटिस दिया

हरदोई। हरदोई के विकास भवन सभागार में मुख्य विकास अधिकारी (CDO) नेहा ब्याडवाल ने एक समीक्षा बैठक की। इसमें विकास योजनाओं की धीमी रफ्तार पर CDO ने नाराजगी जताई। उन्होंने धीमी प्रगति पर तीन खंड विकास अधिकारियों (BDO) को कारण बताओ नोटिस जारी किया और ग्रामीण आवासों के प्रस्ताव जल्द भेजने के निर्देश दिए।

बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए मिले 14,871 आवासों का लक्ष्य जल्द पूरा करने को कहा गया।

एक पैर से स्कूल जाती थी बच्ची, योगी इलाज कराएंगे

बलिया। बलिया में डीएम से साइकिल मांगने वाली रागिनी की पुकार योगी तक पहुंच गई है। एक पैर से कूदते-कूदते स्कूल जाने वाली बच्ची का पैर सही कराने की कोशिश शुरू हो गई है। CM ने कहा है कि बच्ची के इलाज का पूरा खर्च यूपी सरकार उठाएगी। अब स्वास्थ्य विभाग एक्टिव हो गया है। रागिनी की मदद के लिए फिजिक्स वाला कोचिंग के CEO अलख पांडेय ने 10 लाख रुपए भेजे हैं।

नाबालिग को आपत्तिजनक वीडियो से ब्लैकमेल कर शोषण करने वाला आरोपी गिरफ्तार

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। सुशांत गोल्फ सिटी थाना पुलिस ने नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म, आपत्तिजनक वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में वांछित 23 वर्षीय आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को विधिक कार्रवाई के बाद न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया।

पुलिस के मुताबिक, पीड़िता के पिता ने 2 सितंबर को सुशांत गोल्फ सिटी थाने में तहरीर देकर शिकायत दर्ज कराई थी। आरोप था कि उनकी करीब 17 वर्षीय पुत्री की आपत्तिजनक वीडियो बनाकर उसे ब्लैकमेल किया गया और उसका शारीरिक व मानसिक शोषण किया गया। साथ ही आरोपी द्वारा जान से मारने की धमकी दिए जाने की बात भी शिकायत में कही गई थी।

मामले में पुलिस ने शिवम रावत पुत्र रामसनेही रावत, निवासी बुद्धू खेड़ा, माजरा बरौना, थाना सुशांत गोल्फ सिटी, लखनऊ के खिलाफ

मुकदमा दर्ज किया। मुकदमा अपराध संख्या 601/2026 के तहत बीएनएस की धारा 308(2), 64(1), 351(3), 115(2), पॉक्सो एक्ट की धारा 3/4 तथा आईटी एक्ट की धारा 66ई में अभियोग पंजीकृत किया गया।

अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए पुलिस उपायुक्त दक्षिणी के निर्देश पर दो टीमों का गठन किया गया। पुलिस टीमों ने तकनीकी एवं मैनुअल साक्ष्यों तथा स्थानीय सूचना तंत्र की मदद से 3 सितंबर को आरोपी शिवम रावत को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस अधिकारियों के निर्देश पर महिलाओं एवं बालिकाओं के विरुद्ध अपराधों की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। गिरफ्तारी के बाद आरोपी के विरुद्ध नियमानुसार विधिक कार्रवाई की गई।

एअर इंडिया विमान की इमरजेंसी लैंडिंग

वाराणसी से उड़ान भरी थी, कार्गो कंपार्टमेंट में धुएं का अलार्म बजा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। वाराणसी से दिल्ली जा रही एअर इंडिया एक्सप्रेस के विमान की गुरुवार सुबह लखनऊ एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। सूत्रों के मुताबिक विमान के कार्गो में धुएं का अलार्म बजा था। पायलट ने तुरंत लखनऊ एयरपोर्ट संपर्क किया। एयर ट्रैफिक कंट्रोल (ATC) से परमिशन मिलते ही लैंडिंग कराई। विमान के उतरते ही रिस्पॉन्स टीम ने मोर्चा संभाला। फायर बिग्रेड और टेक्निकल एक्सपर्ट भी मौके पर पहुंचे। विमान की जांच की गई। विमान (IX 1253) ने वाराणसी एयरपोर्ट से गुरुवार सुबह 8 बजे उड़ान भरी। थोड़ी देर बाद ही कार्गो में स्मोक डिटेक्शन का अलार्म बजने लगा। इसके बाद पायलट ने सुबह 8:52 बजे लखनऊ एयरपोर्ट पर लैंडिंग कराई। सुबह 9:02 बजे विमान से 155 यात्रियों और क्रू को उतारा गया। जांच के बाद विमान को एयरपोर्ट के स्टैंड पर पार्क किया

गया। शुरुआती जांच के बाद बताया गया कि विमान में धुएं का कोई संकेत नहीं मिला। ऐसे में अलार्म कैसे बजा, इसकी जांच की गई। एयर इंडिया ने विमान को लखनऊ एयरपोर्ट की पार्किंग में खड़ा कर दिया है। एक्सपर्ट टीम पूरे विमान की जांच करेंगी। वहीं, यात्रियों को अब दूसरे विमान से दिल्ली भेजा जाएगा। फिलहाल, सभी यात्रियों को एयरपोर्ट के नजदीक एक होटल में ठहराया गया है। विमान का इंतजाम होते ही यात्रियों को दिल्ली के लिए रवाना किया जाएगा। 19 अगस्त 2026- गोरखपुर एयरपोर्ट पर इंडिगो विमान की लैंडिंग के दौरान पिछला हिस्सा (टेल) जमीन से टकरा गया था। इसके बाद पायलट ने विमान को फिर से हवा में ले लिया। ATC से क्लियरेंस मिलने के बाद विमान की दोबारा लैंडिंग कराई गई।

डेढ़ साल में यूपी में विमान से जुड़ी प्रमुख घटनाएं

■19 अगस्त 2026- गोरखपुर एयरपोर्ट पर इंडिगो विमान की लैंडिंग के दौरान पिछला हिस्सा (टेल) जमीन से टकरा गया था। इसके बाद पायलट ने विमान को फिर से हवा में ले लिया। ATC से क्लियरेंस मिलने के बाद विमान की दोबारा लैंडिंग कराई गई।

■**21 जनवरी 2026** - प्रयागराज में वायुसेना के छोटे विमान को तकनीकी दिक्कत के कारण तालाब में उतारना पड़ा। विमान में सवार दोनों पायलट पैराशूट से सुरक्षित बाहर निकल आए थे।

■**12 नवंबर 2025**- मुंबई से आ रही एअर इंडिया की फ्लाइट को बम की धमकी मिलने के बाद वाराणसी में इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। सभी यात्री सुरक्षित रहे।

■**25 मई 2025**- दिल्ली से आ रही इंडिगो फ्लाइट को सुरक्षा कारणों से वाराणसी में इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। सभी यात्री सुरक्षित रहे।

■**14 सितंबर 2025**- दिल्ली जा रही इंडिगो फ्लाइट ने उड़ान भरने के कुछ देर बाद तकनीकी खराबी के कारण लखनऊ एयरपोर्ट पर वापस लैंडिंग की। विमान में 151 यात्री थे और सभी सुरक्षित रहे।

■**6 मई 2025**- मुंबई से गोरखपुर आ रही इंडिगो फ्लाइट में उड़ान भरने के बाद तकनीकी खराबी आ गई। विमान को मुंबई एयरपोर्ट पर ही इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी।

विमान में सवार 190 यात्री सुरक्षित रहे। बाद में सभी को दूसरी फ्लाइट से गोरखपुर भेजा गया।

योगी सरकार में 'सेवा संकल्प अभियान' को प्रदेशभर में भव्य रूप से आयोजित करने की तैयारी तेज

मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय बने उत्तर प्रदेश में 'सेवा संकल्प अभियान' के प्रभारी

■ **मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर विभागवार दायित्व तय कर भव्य आयोजन के लिए देंगे निर्देश।**

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में 25 वर्षों की सेवा पूर्ण होने के अवसर पर उत्तर प्रदेश की योगी सरकार द्वारा प्रदेशभर में 'सेवा संकल्प अभियान' का व्यापक आयोजन किया जाएगा। प्रधानमंत्री के जन्मदिवस 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर, 2026 तक चलने वाले इस अभियान को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय को उत्तर प्रदेश का प्रभारी नियुक्त किया गया है। अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायत से लेकर जिला मुख्यालय और महानगरों तक विभिन्न जनसेवा, सामाजिक सरोकार तथा राष्ट्र निर्माण से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 'सेवा संकल्प अभियान' का उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन एवं जनसेवा के कार्यों से नागरिकों को अवगत कराने के साथ-साथ प्रत्येक नागरिक को 'विकसित भारत-2047' के सामूहिक राष्ट्रीय संकल्प से जोड़ना है। योगी सरकार की मंशा है कि अभियान का प्रभाव केवल जिला मुख्यालयों तक सीमित न रहे, बल्कि न्याय पंचायत, ग्राम पंचायत और शहरों के प्रत्येक क्षेत्र तक पहुंचे तथा व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित हो। अभियान के प्रमुख कार्यक्रमों में 'आशीर्वाद का दीया', 'करोड़ बच्चों के सपनों का भारत', 'नमो सेवा गाथा', 'आंगन का उत्सव', 'कहानी बदलाव की', 'विकसित भारत संकल्प यात्रा', 'सेवा ज्योति यात्रा', 'वडनगर से वाराणसी यात्रा', 'सेवा मेरा योगदान', 'घर-घर से राष्ट्र तक रंगोली', 'इनोवेशन चैलेंज' तथा 'जनसेवा महाकुंभ' शामिल हैं।

पिता पर बांके से जानलेवा हमला करने वाला वांछित आरोपी गिरफ्तार

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। सरोजनीनगर थाना पुलिस ने पिता की हत्या के प्रयास के मामले में वांछित चल रहे एनबीडब्ल्यू वारंटी अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त बांका भी बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार, 11 मार्च 2026 को मवई चौराहा पिपरसंड निवासी धर्मेन्द्र कुमार ने सरोजनीनगर थाने में तहरीर दी थी। आरोप था कि उसके ससुर संतलाल की पैसों को लेकर अपने बेटे नीरज रावत से कहासुनी हो गई थी। इसी दौरान नीरज रावत ने कथित रूप से जान से मारने की नीयत से संतलाल की गर्दन और कंधे पर बांके से हमला कर दिया था। मामले में पुलिस ने मु0अ0सं0 90/2026, धारा 109(1) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया था।

अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए न्यायालय से एनबीडब्ल्यू जारी होने

के बाद पुलिस टीम उसकी तलाश में जुटी थी। पुलिस के सूचना तंत्र की मदद से नीरज रावत (35) पुत्र संतलाल रावत, निवासी ग्राम बेहसा, थाना सरोजनीनगर को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर घटना में इस्तेमाल किया गया एक बांका भी बरामद किया। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार अभियुक्त का पूर्व में भी आपराधिक इतिहास रहा है। उसके खिलाफ वर्ष 2021 में सरोजनीनगर थाने में धारा 302 भादवि के तहत मुकदमा दर्ज है। आरोपी के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

एमआईईटी पब्लिक स्कूलों में भक्तिमय माहौल में मनाई श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ। एमआईईटी पब्लिक स्कूल के जागृति विहार और मवाना रोड परिसरों में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व श्रद्धा, उमंग और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने राधा-कृष्ण की मनमोहक वेशभूषा धारण कर सांस्कृतिक एवं रचनात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से सभी का मन मोह लिया। विद्यालय परिसरों में सजी आकर्षक झांकियों और बच्चों की प्रस्तुतियों से पूरा वातावरण कृष्णमय हो उठा। जागृति विहार परिसर में नर्सरी से कक्षा दो तक के नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने बाल कृष्ण, राधा और कृष्ण के बाल सखाओं के रूप में सजकर जन्माष्टमी उत्सव में सहभागिता की। शिक्षिकाओं ने विद्यार्थियों को भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप, उनके जीवन प्रसंगों तथा जन्माष्टमी के महत्व से परिचित कराया। विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. सिल्की वर्मा के मार्गदर्शन तथा कोऑर्डिनेटर नेहा तोमर और प्रियंका नारायण के

निर्देशन में कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। जागृति विहार की प्रधानाचार्या डॉ. सिल्की वर्मा ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति, परंपराओं और नैतिक मूल्यों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कृष्ण की बाल लीलाओं का मंचन, नृत्य, भक्ति-गीत और दही-हांडी सहित विभिन्न रचनात्मक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस दौरान चेयरमैन विष्णु शरण, वाइस चेयरमैन गौरव अग्रवाल, मैनेजर बरखा अग्रवाल और प्रधानाचार्या रुपाली सहगल ने विद्यार्थियों एवं समस्त स्टाफ को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं और आयोजन की सराहना की।

फायरिंग : पंचायत चुनाव की रंजिश में वारदात, 6 घंटे पहले भाई पर हुआ था हमला, 2 आरोपी गिरफ्तार

घर के बाहर युवक की गोली मारकर हत्या

तमसा संकेत, एजेंसी

बिल्हौर। कानपुर में 26 साल के एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। बुधवार रात करीब 10:30 बजे युवक अपने घर के बाहर खड़ा था। इसी दौरान 4 हमलावर वहां पहुंचे और उस पर फायरिंग कर दी। युवक के सीने और बाएं हाथ में गोली लगी और वह जमीन पर गिर पड़ा। फायरिंग की आवाज सुनकर परिजन बाहर पहुंचे, लेकिन तब तक हमलावर भाग चुके थे। परिजन उसे तुरंत अस्पताल लेकर गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना चौबेपुर थाना क्षेत्र के वाजिदपुर गांव की है। पुलिस के मुताबिक, पंचायत चुनाव को लेकर दोनों पक्षों में पुरानी रंजिश चल रही है। घटना से करीब 6 घंटे पहले युवक के बड़े भाई पर भी दूसरे पक्ष के लोगों ने लाठी-डंडों से हमला किया था।

पुलिस ने 2 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक आरोपी की तलाश की जा रही है। गोली लगने के बाद गिरिजा शंकर जमीन पर गिर पड़े। परिजन उन्हें आनन-फानन में बिठूर के जगदीश अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही एसीपी अंकित कुमार अस्पताल पहुंचे। उन्होंने परिजनों से घटना की जानकारी ली। इसके बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस टीम ने घटनास्थल पर भी पहुंचकर जांच की और वारदात से जुड़े साक्ष्य जुटाए। ग्रामीणों के मुताबिक, गिरिजा शंकर और आरोपी कुलदीप के परिवार के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। दोनों परिवार गंगा किनारे की जमीन को लेकर आमने-सामने रहते हैं। साल 2022 के पंचायत चुनाव के दौरान दोनों पक्षों में मारपीट हुई थी। उस दौरान धारदार हथियार से हमला किए जाने की बात भी सामने आई थी। इसमें गिरिजा शंकर के हाथ में चोट लगी थी। इसके बाद से दोनों परिवारों के बीच तनातनी बनी हुई थी। परिजनों के मुताबिक, बुधवार शाम करीब 4 बजे गिरिजा शंकर के बड़े भाई रामनरेश का मछली पकड़ने को लेकर कुलदीप से विवाद हुआ था। आरोप है कि कुलदीप ने अपने साथियों के साथ मिलकर रामनरेश पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। सिर में चोट लगने के बाद रामनरेश थाने पहुंचे और शिकायत की। इसके बाद उनका अस्पताल में इलाज कराया गया। इस घटना के करीब छह घंटे बाद रात में गिरिजा शंकर की हत्या कर दी गई। परिजनों की तहरीर पर कुलदीप निषाद, उसके पिता रामऔतार निषाद, सुरेंद्र निषाद और एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। 2 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। फरार आरोपी की तलाश में पुलिस टीमें लगाई गई हैं। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

घर के दरवाजे पर मारी गोली

वाजिदपुर ग्राम पंचायत के चिंतापुरवा गांव निवासी गिरिजा शंकर निषाद पुत्र शिवकुमार निषाद लोडर चलाते थे। परिवार में उनके 5 भाई और माता-पिता हैं। बड़े भाई रामनरेश निषाद मछली पालन का काम करते हैं। पुलिस के मुताबिक, बुधवार रात करीब 9 बजे गिरिजा शंकर लोडर लेकर घर पहुंचे थे। परिवार के साथ खाना खाने के बाद वह घर के दरवाजे पर खड़े थे। इसी दौरान गांव के कुलदीप निषाद, उसके पिता रामऔतार निषाद, सुरेंद्र निषाद और एक अन्य व्यक्ति वहां पहुंचे। आरोप है कि उन्होंने गिरिजा शंकर पर फायरिंग कर दी।

बारिश के बीच रोजगार महोत्सव में उमड़े 817 युवा

टाटा मोटर्स-अडानी समेत प्रमुख कंपनियों ने लिया साक्षात्कार

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। सरोजनी नगर विधानसभा क्षेत्र में विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह के तत्वावधान में बुधवार को विधायक कार्यालय में 'भारत रोजगार महोत्सव' का आयोजन किया गया। मूसलाधार बारिश के बावजूद 817 युवाओं ने पंजीकरण कराया, जिनमें से 250 अभ्यर्थियों का प्रथम चरण में साक्षात्कार हुआ। टाटा मोटर्स, अडानी, एयरटेल और सैमसंग समेत कई प्रतिष्ठित कंपनियों के प्रतिनिधियों ने भर्ती प्रक्रिया में हिस्सा लिया। महोत्सव की खास बात यह रही कि बड़ी संख्या में अभ्यर्थी डॉ. राजेश्वर सिंह द्वारा संचालित रण बहादुर सिंह डिजिटल सेंटरों से निःशुल्क डिजिटल एवं व्यावसायिक

प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके थे। आयोजन के माध्यम से प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं को सीधे कंपनियों से जोड़ने की पहल की गई। तीन साक्षात्कार केंद्रों पर 'एक अभ्यर्थी-एक साक्षात्कार' मॉडल के तहत युवाओं की योग्यता, कौशल और अनुभव का आकलन किया गया। ट्रेनी, डेटा एंट्री ऑपरेटर, वायरमैन, स्मार्ट मीटर इंस्टॉलर, प्रमोटर, स्टीवर्ड और फील्ड सेल्स एग्जीक्यूटिव सहित विभिन्न पदों के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए गए। डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि यह रोजगार महोत्सव एक दिन की पहल नहीं, बल्कि सतत रोजगार अभियान की शुरुआत है। सरोजनी नगर में अब प्रत्येक माह रोजगार मेले आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि युवाओं को पहले कौशल प्रशिक्षण देकर फिर उनकी योग्यता के अनुरूप कंपनियों से जोड़ने की व्यवस्था विकसित की जा रही है। उन्होंने कहा कि जिन अभ्यर्थियों का इस बार चयन नहीं हो सका, उन्हें निराश होने की जरूरत नहीं है। उनकी कमियों का आकलन कर डिजिटल सेंटरों के माध्यम से दोबारा निःशुल्क कौशल उन्नयन प्रशिक्षण दिया जाएगा और आगामी रोजगार मेले में फिर अवसर प्रदान किया जाएगा। कौशल उन्नयन और पुनः अवसर का रोजगार चक्र जारी रहेगा।

बड़ी बहन को बस में बैठाने गई थी मां, परिजनों ने थाने के सामने शव रखकर लगाया जाम

स्कूल बस ने मासूम को कुचला

मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ। मेरठ में गुरुवार सुबह करीब 8 बजे एक स्कूल बस ने 3 साल के मासूम को कुचल दिया। बच्चा अपनी मां के साथ बड़ी बहन को स्कूल छोड़ने गया था। इसी दौरान वह बस के पहिए के नीचे आ गया। लोगों ने शोर मचाकर बस को रुकवाया और घायल बच्चे को अस्पताल पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे की खबर मिलते ही परिवार और गांव के लोग भी अस्पताल पहुंच गए। इसके बाद परिजन बच्चे का शव लेकर थाने पहुंचे और कार्रवाई की मांग की। परिजनों का आरोप है कि करीब 2 घंटे तक पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। इससे नाराज लोगों ने थाने के सामने बच्चे का शव रखकर सड़क जाम कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने कार्रवाई का आश्वासन देकर परिजनों को समझाया, जिसके बाद जाम खुलवाया गया। घटना पास में लगे CCTV कैमरे में कैद हो गई। मामला मवाना के परीक्षितगढ़ थाना क्षेत्र का है। जसवीर को बस में बैठाने के बाद ड्राइवर ने बस आगे बढ़ा दी। इसी दौरान नवनीत भी बस के पीछे-पीछे आ गया। मां का ध्यान उसकी तरफ नहीं गया और वह बस की चपेट में आ गया।

सीन-1: मासूम अपनी मां के पीछे-पीछे बस तक पहुंच गया।

बड़ी बेटी को स्कूल बस में बैठाने निकली थी मां

परीक्षितगढ़ के बढ़ला गांव निवासी प्रिंस चौधरी किसान हैं। उनके 2 बच्चे थे, 6 साल की बेटी जसवीर और 3 साल का बेटा नवनीत। जसवीर गांव से करीब 8 किमी दूर परीक्षितगढ़ में भावना इंटरनेशनल स्कूल में सेकंड क्लॉस में पढ़ती है। उसे लेने के लिए स्कूल बस रोज गांव आती है। पुलिस के मुताबिक, गुरुवार सुबह करीब 8 बजे मां पूजा बेटी जसवीर को स्कूल बस में बैठाने के लिए गांव के बाहर सड़क पर पहुंची थीं।

सीन-2: ड्राइवर ने अचानक बस चला दी और मासूम बस के पहिए के नीचे आ गया।

थाने के सामने शव रखकर लगाया जाम

नवनीत की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। घटना की जानकारी मिलने पर परिजन और ग्रामीण मौके पर जुट गए। इसके बाद परिजन बच्चे का शव लेकर परीक्षितगढ़ थाने पहुंचे और पुलिस से कार्रवाई की मांग की।

परिजनों का आरोप है कि थाने पहुंचने के बाद करीब 2 घंटे तक पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। इससे नाराज परिजनों और ग्रामीणों ने थाने के सामने बच्चे का शव रख दिया और सड़क जाम कर दी। जाम की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति संभाली। थाना प्रभारी केदार नाथ सिंह ने बताया- बच्चे का सिर्फ पंचनामा भरा गया है, पोस्टमार्टम नहीं कराया गया। परिजनों और स्कूल प्रबंधन के बीच समझौता हो गया है।

दरोगा ने माथे पर गोली मारकर जान दी

यमुना किनारे वर्दी में मिला शव, पास पड़ी थी सर्विस पिस्टल, पत्नी सिपाही

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। मथुरा में तैनात एक दरोगा ने गुरुवार दोपहर खुद को गोली मारकर जान दे दी। उनका शव गोकुल बैराज के पास यमुना नदी किनारे वर्दी में मिला। पास में उनकी सर्विस पिस्टल पड़ी थी। सूचना पर पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और साक्ष्य जुटाए। शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। दरोगा की शिनाख्त पंकज कुमार यादव (31) के रूप में हुई। वे मथुरा एसपी ट्रैफिक के पेशकार थे। 30 जून 2019 को नौकरी जॉइन की थी। पंकज की पत्नी दीप्ति सिपाही हैं। इस वक्त उनकी तैनाती मथुरा सदर थाने में है। SSP श्लोक कुमार ने बताया कि पंकज ने आज ही अपनी सर्विस पिस्टल जारी कराई थी, जिससे उन्होंने खुद को आत्महत्या की। वह गुरुवार दोपहर ड्यूटी से घर गए थे। कुछ देर बाद वर्दी में घर से निकले और रास्ते में खुद को गोली मार ली। गोली उनके माथे के बीचों-बीच लगी थी। करीब 3:45 बजे राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। शुरुआती जांच में पारिवारिक विवाद की बात सामने आई है। मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। घटना की जानकारी मिलते ही पत्नी दीप्ति भी मौके पर पहुंचीं। पुलिस आत्महत्या के कारणों की जांच कर रही है। दरोगा पंकज कुमार एटा जिले के पिलुआ थाना क्षेत्र के भोजपुर गांव के रहने वाले थे। वह मथुरा के दामोदरपुरा स्थित दाऊजीधाम कॉलोनी में परिवार के साथ रहते थे। परिवार में पत्नी दीप्ति, बेटी जीवा (3), मां और पिता राजवीर सिंह हैं, जो अमीन के पद से रिटायर्ड हैं। वह 3 भाइयों में सबसे छोटे थे। पंकज कॉलोनी में प्लॉट लेकर मकान बनवा रहे थे। बताया जा रहा है कि गुरुवार सुबह घर में विवाद हुआ था। इसके बाद उनकी मां नाराज होकर कहीं चली गईं। पत्नी दीप्ति उनकी तलाश कर रही थीं। इसी दौरान पंकज ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। मोबाइल की जांच अभी की जानी है। आखिरी कॉल या मैसेज किसका था, इसकी जानकारी फिलहाल नहीं मिली है। घटनास्थल के आसपास CCTV कैमरे भी नहीं लगे हैं। कि पूछताछ और वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। सहकर्मियों के मुताबिक, दरोगा का व्यवहार सामान्य था। हाल में उनके व्यवहार में किसी तरह के बदलाव की जानकारी सामने नहीं आई थी।

फास्ट न्यूज

हिंदू महासभा के कार्यकर्ता नजरबंद

आगरा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मथुरा दौरे से ठीक एक दिन पहले आगरा पुलिस ने अखिल भारत हिन्दू महासभा के कार्यकर्ताओं को नजरबंद किया गया है। पुलिस ने महासभा की नेता निशा ठाकुर को घर में नजरबंद कर दिया है, जबकि दो अन्य नेताओं के घर पर भी दबिश दी गई है। यह कार्रवाई महासभा द्वारा राष्ट्र ध्वज और भगवा ध्वज के अपमान के मामले में मुख्यमंत्री से मिलने के ऐलान के बाद की गई है।

चाचा की हत्या में भतीजे को सजा

अलीगढ़। अलीगढ़ में संपत्ति के लालच में चाचा की हत्या के मामले में भतीजे और उसके साथी को अदालत ने दोषी ठहराया है। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (ADJ-1) की अदालत ने दोनों आरोपियों को सात-सात साल की कैद और 20-20 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। यह घटना साल 2009 की है। थाना हरदुआगंज क्षेत्र के किढ़ारा गांव में बनीसिंह नाम के एक अविवाहित व्यक्ति रहते थे। उनके साथ उनका एक और भतीजा रहता था। आरोपी अजय को शक था कि बनीसिंह अपनी संपत्ति साथ रहने वाले भतीजे के नाम न कर दें।

हिंदू कॉलेज में हाजिरी पर सख्ती

मुरादाबाद। मुरादाबाद के हिंदू कॉलेज में छात्रों की क्लास में हाजिरी बढ़ाने के लिए सख्ती शुरू कर दी गई है। कॉलेज प्रशासन ने छात्रों से नियमित रूप से क्लास में आने को कहा है। जिन छात्रों की हाजिरी कम होगी, उनके परीक्षा फॉर्म आगे नहीं भेजे जाएंगे। ऐसे में परीक्षा देने के लिए छात्रों को नियमित रूप से क्लास में आना होगा। कॉलेज के प्राचार्य प्रो. सत्यव्रत सिंह रावत ने बताया कि छात्रों की उपस्थिति पर नजर रखी जा रही है।

मोहिउद्दीनपुर ग्राम में 100 से अधिक गर्भवती महिलाओं को बांटी पुष्टाहार पोटली

बच्चे के प्रथम संस्कार की पाठशाला मां होती है-डॉ. सोमेंद्र तोमर

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। ग्राम पंचायत मोहिउद्दीनपुर के पंचायत सचिवालय में गर्भवती महिलाओं के लिए पुष्टाहार पोटली वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राज्यमंत्री डॉ. सोमेंद्र तोमर और विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी डॉ. राम अवतार जिंदल ने 100 से अधिक गर्भवती महिलाओं को पुष्टाहार पोटली वितरित की। ग्राम प्रधान विमला देवी और प्रधान पुत्र विजय नामदेव भी मौजूद रहे। पुष्टाहार पोटली में काला चना, छोले, सोयाबीन, देशी घी, मूंग दाल, काजू, बादाम, अखरोट, खजूर और दलिया समेत विभिन्न पौष्टिक खाद्य सामग्री शामिल की गई। प्रधान पुत्र विजय नामदेव ने बताया कि पहल का उद्देश्य गर्भवती महिलाओं को पौष्टिक आहार उपलब्ध कराना है, जिससे गर्भावस्था के दौरान उनके स्वास्थ्य

को बेहतर रखने और स्वस्थ शिशु के जन्म में मदद मिल सके। राज्यमंत्री डॉ. सोमेंद्र तोमर ने कहा कि गुरु की भूमिका से पहले मां की भूमिका होती है। मां ही बच्चे की पहली गुरु होती है और उसके आचार-विचार, व्यवहार तथा संस्कारों पर मां के संस्कारों का गहरा प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि बच्चे को जीवन के शुरुआती संस्कार मां से ही मिलते हैं।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार महिलाओं के कल्याण और सशक्तीकरण के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित कर रही है। उन्होंने सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े पात्र व्यक्ति तक पहुंचाने को प्राथमिकता बताया।

कार्यक्रम में ग्राम की आशा कार्यकर्ताओं ने गर्भवती महिलाओं को घर-घर जाकर पुष्टाहार और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी देने की बात कही। एएनएम कमल और नितेश ने बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य से जुड़े कार्यों और आवश्यक देखभाल के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष नवीन नेहरा, वरिष्ठ समाजसेवी डॉ. राम अवतार जिंदल, ग्राम प्रधान विमला देवी, जिला पंचायत सदस्य गुड्डू गगोल, दीपक राणा, पूर्व ब्लॉक प्रमुख नितिन कसाना, संदीप मिगलानी, धवल, ग्राम सचिव मनोज शर्मा समेत अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

आगरा में अगले 24 घंटे भारी बारिश का अलर्ट

सुबह से छाये घने बादल, 7 सितंबर तक बारिश के आसार

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। शहर में गुरुवार सुबह से मौसम का मिजाज बदला हुआ है। आसमान में घने बादल छाए हैं और सामान्य से तेज हवाएं चल रही हैं। शास्त्रीपुरम, पश्चिमपुरी और शाहगंज समेत कुछ इलाकों में सुबह करीब 8:30 बजे हल्की बारिश भी हुई। बारिश और ठंडी हवाओं से लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली है। मौसम विभाग ने दिन में तेज हवाओं के साथ भारी बारिश की संभावना जताई है। मौसम विभाग के मुताबिक गुरुवार को दिनभर बादल छाए रहने की संभावना है। तेज हवाओं के साथ रुक-रुककर भारी बारिश हो सकती है। 4 सितंबर को भी भारी बारिश का अलर्ट है। वहीं, 5 से 7 सितंबर के बीच तेज हवाओं के साथ बूंदाबांदी या बारिश का दौर जारी रह सकता है। मौसम विभाग के अनुसार 8 सितंबर से मौसम

खुलने के आसार हैं। इस दौरान बारिश के चलते तापमान में भी गिरावट देखने को मिल सकती है। आने वाले दिनों में बारिश और तेज हवाओं के कारण मौसम सुहावना रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान करीब 32 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है। 7 सितंबर तक बारिश का दौर बने रहने के बाद 8 सितंबर से मौसम में सुधार की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग के अनुसार, आज दिनभर घने बादल छाये रहेंगे। तेज हवाओं के साथ रुक-रुक कर भारी बारिश हो सकती है। 4 सितंबर को भी भारी बारिश का अलर्ट है। 5 से 7 सितंबर के बीच तेज हवाओं के साथ बूंदाबांदी या बारिश हो सकती है।

बुधवार की बारिश से 2 डिग्री गिरा तापमान

बुधवार को दिनभर रुक-रुककर हुई बारिश का असर तापमान पर भी देखने को मिला। मंगलवार की तुलना में बुधवार को अधिकतम तापमान में करीब 2 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई। बुधवार को आगरा का अधिकतम तापमान 30.9 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 26.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। न्यूनतम तापमान सामान्य से करीब 0.5 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। इसके मुकाबले मंगलवार को अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था।

दरोगा के एक शब्द से वैश्य समाज भड़का

बैठक में समाज को अपशब्द कह दिया, थाने पर जमकर हंगामा, दरोगा-सिपाही लाइन हाजिर

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा के फतेहपुर सीकरी में बुधवार रात वैश्य समाज की बैठक के दौरान उस समय हंगामा हो गया, जब कस्बा चौकी इंचार्ज पर बैठक में मौजूद समाज के लोगों के साथ कथित तौर पर अपशब्द कहने का आरोप लगा। घटना से नाराज समाज के लोगों ने पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की और थाने पहुंचकर आरोपी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दरोगा और एक सिपाही को लाइन हाजिर कर दिया है। बताया गया कि फतेहपुर सीकरी स्थित जय श्रीराम मंदिर पर बुधवार रात अग्रवाल सेवा समिति की आम सभा की बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में समाज के कुछ लोगों की ओर से पुलिसकर्मियों को भी बुलाया गया था। इसी दौरान किसी बात को लेकर कस्बा इंचार्ज और बैठक में मौजूद लोगों के बीच कहासुनी की

स्थिति बन गई। आरोप है कि लोगों को डांटने के दौरान कस्बा इंचार्ज ने कथित तौर पर समाज के लोगों के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल किया। कस्बा इंचार्ज के कथित व्यवहार से बैठक में मौजूद लोगों में नाराजगी फैल गई। कुछ ही देर में बड़ी संख्या में समाज के लोग एकत्र हो गए और पुलिस के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। इसके बाद आक्रोशित लोग विरोध करते हुए थाने पहुंच गए। देर रात तक थाने के बाहर समाज के लोगों की भीड़ जमा रही। प्रदर्शनकारियों ने आरोपी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। समाज के लोगों ने थाना प्रभारी निरीक्षक आनंद वीर सिंह से पूरे मामले की शिकायत की। उन्होंने कस्बा इंचार्ज और संबंधित सिपाही के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। मामले को लेकर समाज के लोग थाने के बाहर धरने पर भी बैठ गए। उनका कहना था कि बैठक के दौरान समाज के लोगों के साथ इस तरह का व्यवहार स्वीकार नहीं किया जाएगा। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस विभाग की ओर से कार्रवाई की गई। आरोपी बताए जा रहे दरोगा और सिपाही को लाइन हाजिर कर दिया गया है। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद मामले को शांत कराने का प्रयास किया गया। हालांकि देर रात तक समाज के लोगों में नाराजगी बनी रही और वे आगे की कार्रवाई की मांग करते रहे। घटना की जानकारी वैश्य समाज के लोगों ने स्थानीय स्तर पर जनप्रतिनिधियों और भाजपा पदाधिकारियों को भी दी। समाज के लोगों ने सांसद और भाजपा जिलाध्यक्ष को पूरे घटनाक्रम से अवगत कराया और पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग रखी। मामले के बाद पुलिस और समाज के बीच तनाव की स्थिति को देखते हुए अधिकारी भी घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए हैं। इस घटना को लेकर आगरा पुलिस की कार्यशैली पर भी सवाल उठ रहे हैं। इससे एक दिन पहले एत्मादपुर में शांतिपूर्ण धरने के दौरान लाठीचार्ज को लेकर विवाद सामने आया था। इसके बाद अब फतेहपुर सीकरी में पुलिसकर्मी पर समाज के लोगों के साथ कथित तौर पर अभद्र भाषा के इस्तेमाल का आरोप लगा है।

दलित नेता रवि गौतम ने शुरू की भूख-हड़ताल

आईपीएस अविनाश पांडे की बर्खास्तगी की मांग

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ। मेरठ में IPS अविनाश पांडे की बर्खास्तगी समेत कई मांगों को लेकर कमिश्नरी पार्क में अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे दलित नेता रवि गौतम ने गुरुवार से भूख हड़ताल शुरू कर दी। 8 जुलाई को कलेक्ट्रेट के बाहर हुए प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई और कथित मारपीट के विरोध में रवि गौतम लगातार आंदोलन कर रहे हैं। उनका आरोप है कि पुलिस ने उनके साथ बर्बरता की और दलित समाज का अपमान किया। गुरुवार को भूख हड़ताल शुरू करने की जानकारी मिलते ही भारतीय किसान यूनियन (डॉ. बीआर अंबेडकर) के कई

कार्यकर्ता कमिश्नरी पार्क पहुंच गए। रवि गौतम ने सरकार और अधिकारियों पर उनकी मांगों की अनदेखी करने का आरोप लगाया। उन्होंने भाजपा में शामिल दलित नेताओं को भी समाज के मुद्दों पर खुलकर सामने आने की चेतावनी दी। 8 जुलाई को ललिता गौतम हत्याकांड के विरोध में जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर धरना दिया गया था। जाम की शिकायत पर तत्कालीन एसएसपी अविनाश पांडे पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे थे। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि इस दौरान पुलिस ने उनके साथ मारपीट की और उन्हें वहां से खदेड़ दिया। मौके से रवि गौतम समेत 8 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद पुलिस वैन में रवि गौतम के साथ कथित मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। जमानत पर बाहर आने के बाद रवि गौतम ने आंदोलन जारी रखने का ऐलान किया। 20 अगस्त को उन्होंने कमिश्नरी पार्क में अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया।

पृष्ठ 01 का शेष...

प्रदेश की चुनौतियों में ...

साथ ही पीएम आवास योजना (शहरी) और सीएम आवास योजना (ग्रामीण) के लाभार्थियों को 72 करोड़ रुपए से ज्यादा की सहायता राशि बांटी। सीएम योगी के साथ मंच पर कैबिनेट मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण, प्रभारी मंत्री संदीप सिंह, सांसद हेमा मालिनी, राज्यसभा सांसद तेजवीर सिंह, विधायक श्रीकांत शर्मा, एमएलसी योगेश नौहवार, भाजपा जिलाध्यक्ष निर्भय पांडे और महानगर अध्यक्ष हरीशंकर यादव भी मौजूद रहे। राष्ट्र अपनी स्मृति से महान बनता है, अपनी संस्कृति से महान बनता है और अपनी जड़ों को तलाशने से महान बनता है। जिस समाज को अपनी जड़ों का ज्ञान नहीं होता, वह आधुनिकता को भी दूसरों की नकल समझ लेता है। लेकिन जिस समाज को अपनी विरासत का बोध होता है, वह दुनिया से सीखता भी है और दुनिया को सिखाता भी है। भाइयों और बहनों, जब हम अपनी विरासत की बात करते हैं तो इतिहास की ओर देखना भी आवश्यक है। भारत का इतिहास केवल उपलब्धियों का इतिहास नहीं है, बल्कि यह संघर्षों का भी इतिहास है। सीएम योगी बोले- 16 जून 2016 का मथुरा का जवाहर बाग कांड आपने देखा होगा। उस घटना में 29 लोगों की जान गई थी। किस प्रकार का उपद्रव और किस तरह की अराजकता थी। हमारे पुलिस के दो जवान भी मारे गए थे, लेकिन आज देखिए अपराध पर पूरी तरह अंकुश लग गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 1051 करोड़ रुपए की लागत वाली 229 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण किया। इस दौरान पीएम आवास योजना (शहरी) और सीएम आवास योजना (ग्रामीण) के लाभार्थियों को 72 करोड़ रुपए से अधिक की सहायता राशि भी वितरित की। श्रीकांत शर्मा ने यमुना की स्थिति को लेकर कहा कि यमुना में गिरने वाले 36 नालों में से 4 नालों को टेप किया जा चुका है। अब 4 नाले बाकी हैं, जिन्हें अक्टूबर तक टेप कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि यमुना को प्रदूषण से बचाने के लिए काम लगातार जारी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मथुरा पहुंचने पर रंगारंग कार्यक्रमों के साथ उनका भव्य स्वागत किया गया। लोक कलाकारों ने पारंपरिक प्रस्तुतियां देकर माहौल को उत्सवमय बना दिया। पंडा-पुरोहित समाज के लोगों ने मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री के मथुरा दौरे से पहले पुलिस ने कुछ कांग्रेस नेताओं को नजरबंद किया है। कांग्रेस प्रवक्ता कुंवर सिंह निषाद के आवास पर पुलिस तैनात की गई है। नजरबंदी पर कुंवर सिंह निषाद ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनप्रतिनिधि और राजनीतिक कार्यकर्ता को अपनी बात रखने का अधिकार है। उन्होंने पुलिस की कार्रवाई को लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन बताया। मुख्यमंत्री कार्यक्रम के दौरान प्रो-पुअर प्रदर्शनी का अवलोकन करेंगे। इसके बाद वृक्षारोपण और संतों से मुलाकात करेंगे। बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार भी कराएंगे। विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र और चेक वितरित करने के बाद मुख्यमंत्री जनसभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के कामों की प्रगति को लेकर समीक्षा बैठक करेंगे।

सीजेपी किसी पार्टी ...

बल्कि बच्चों और पूरे देश के भविष्य का मुद्दा है। जो भी मानता है कि स्कूलों में सुधार होना चाहिए, उसे इस पर काम करना चाहिए। दीपने ने बताया, अलग-अलग दलों के राजनीतिक नेता पहले से ही शिक्षा से जुड़े मुद्दों पर काम कर रहे हैं। भाजपा को ऐसी मुहिमों पर आपत्ति क्यों है। सिर्फ आम आदमी पार्टी ही नहीं, शिवसेना भी इस पर काम कर रही है। महाराष्ट्र में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता भी इस पर काम कर रहे हैं। स्कूलों में सुधार होना चाहिए, ऐसा मानने वाले हर व्यक्ति का स्वागत किया जाना चाहिए। अभिजीत दीपके का बयान ऐसे समय सामने आया है, जब उनके सामने सीजेपी डेमोक्रेटिक के रूप में एक नया चैलेंज खड़ा हो गया है। गुरुवार को राजधानी नई दिल्ली में सीजेपी-डेमोक्रेटिक की शुरुआत की गई। इस दौरान सीजेपी-डी के फाउंडर मनीष ब्रह्मभट्ट ने अभिजीत दीपके और अरविंद केजरीवाल पर 'डील' करन का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि इसीलिए CJP की टीम में सिर्फ आम आदमी पार्टी के नेताओं को शामिल किया गया है।

दिल्ली जल बोर्ड ...

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (ACB) ने आरोप लगाया था। कि टेंडर की शर्तों में हेरफेर की गई। टेंडर प्रक्रिया को जानबूझ-कर तकनीक-केंद्रित बनाया गया, ताकि यूरोटेक एनवायरनमेंटल को फायदा मिल सके। ACB के मुताबिक, जैन ने बिना तकनीकी व्यवहार्यता अध्ययन के रोहिणी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट की क्षमता 15 मिलियन गैलन प्रतिदिन (mgd) से बढ़ाकर 30 mgd कर दी। इससे लागत करीब 123 करोड़ रुपए बढ़ गई। ACB ने पैसों के लेन-देन की एक कड़ी मिलने का दावा किया था। उसके मुताबिक, कमीशन बिचौलियों के जरिए अलग-अलग आरोपियों के बैंक खातों में पहुंचाया गया। यह केस मई 2024 में दर्ज किया गया था। दिल्ली जल बोर्ड के STPs की क्षमता बढ़ाने और अपग्रेडेशन से जुड़ी टेंडर प्रक्रिया में बड़े स्तर की अनियमितताओं, टेंडर शर्तों में हेरफेर और आपराधिक साजिश की शिकायत पर केस दर्ज हुआ था। शिकायत दिल्ली सरकार के विजिलेंस निदेशालय ने की थी। जैन को जमानत मिलने पर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा, सत्येंद्र जैन को केवल दस दिन में जमानत मिल गई। उन्होंने PM मोदी से पूछा, मोदी जी, इससे आपने क्या हासिल किया? आप 24 घंटे लोगों को जेल भेजने के बारे में सोचते रहते हैं। देश चलाने में आपकी बिल्कुल रुचि नहीं है। आपको यह भी नहीं पता कि देश कैसे चलाया जाता है। सत्येंद्र जैन अक्टूबर 2024 में तिहाड़ जेल से बाहर आए थे। वे मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 872 दिन जेल में रहे थे। ED ने उन्हें 30 मई 2022 को गिरफ्तार किया था। 18 अक्टूबर 2024 को दिल्ली की अदालत ने उन्हें जमानत दे दी थी।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में तेजी से बढ़ी रफ्तार

वित्तीय वर्ष 2026-27 में 72,448 सामूहिक विवाह का लक्ष्य

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार का संकल्प है कि आर्थिक अभाव किसी बेटी के सम्मानजनक विवाह में बाधा न बने। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना इसी संकल्प को साकार कर रही है। हमारा प्रयास है कि योजना का लाभ पूरी पारदर्शिता के साथ वास्तविक और पात्र परिवारों तक पहुंचे, जिसके लिए तकनीक के माध्यम से सत्यापन व्यवस्था को और मजबूत किया जा रहा है।'' समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना प्रदेश के हजारों जरूरतमंद परिवारों के लिए बेटियों के विवाह की चिंता को कम करने का मजबूत सहारा बन रही है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में अब तक 17,758 जोड़ों का विवाह संपन्न कराया जा चुका है। प्रदेश में 72,448 सामूहिक विवाह का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उपनिदेशक श्री आर.पी. सिंह ने बताया कि योजना के तहत अब तक 72,787 आवेदन प्राप्त हुए हैं। आवेदनों की जांच के दौरान 20,042 आवेदन स्वीकृत किए गए, जबकि 7,245 आवेदन अपात्र पाए गए। सामूहिक विवाह संपन्न कराने के मामले में पीलीभीत प्रदेश में पहले स्थान पर है। यहां अब तक 1,271 जोड़ों ने सात फेरे लिए हैं। 1,063 विवाहों के साथ शाहजहांपुर दूसरे स्थान पर है। इसके बाद सुल्तानपुर में 1,040 और रामपुर में 1,031 जोड़ों का विवाह संपन्न कराया गया है। योजना में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए ई-केवाईसी के माध्यम से आवेदकों का सत्यापन और ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल से आय एवं जाति प्रमाण पत्रों के डिजिटल सत्यापन की व्यवस्था प्रभावी की गई है। वहीं, शीघ्र ही आधार आधारित भुगतान व्यवस्था लागू की जाएगी।

टीम इंडिया के प्रदर्शन पर रिव्यू मीटिंग होगी, वनडे वर्ल्डकप 2027 पर भी चर्चा हो सकती है

गिल, श्रेयस, गंभीर और लक्ष्मण बीसीसीआई हेडक्वार्टर पहुंचे

बैठक में भारतीय टीम के हालिया प्रदर्शन की समीक्षा होगी, जबकि वनडे वर्ल्ड कप 2027 की तैयारियों पर भी चर्चा हो सकती है।

चर्चा

- अफगानिस्तान के खिलाफ टी-20 सीरीज खेलेगा भारत

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल और टी-20 कप्तान श्रेयस अय्यर गुरुवार को रिव्यू मीटिंग के लिए मुंबई स्थित BCCI हेडक्वार्टर पहुंचे। उनके साथ हेड कोच गौतम गंभीर और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (CoE) हेड वीवीएस लक्ष्मण भी पहुंचे।

कई रिपोर्टों के अनुसार, यह रिव्यू मीटिंग पहले आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के बाद होनी थी, लेकिन श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों के दौरे के कारण इसमें देरी हुई। BCCI सचिव देवजीत सैकिया और अध्यक्ष मिथुन मन्हास भी बैठक में शामिल हैं। अब भारत को अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 सीरीज खेलनी है। श्रेयस अय्यर टीम की कप्तानी करेंगे, जबकि तिलक वर्मा को उप-कप्तान बनाया गया है।

स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की टीम में वापसी हुई है, हालांकि उनका खेलना फिटनेस क्लीयरेंस पर निर्भर करेगा। नीतीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर और हर्षित राणा को भी टीम में जगह मिली है।

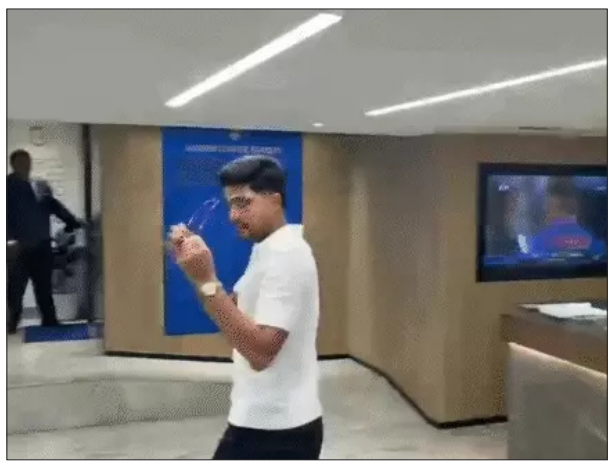

अफगानिस्तान के खिलाफ बुमराह टीम में शामिल

बुमराह ने अपना आखिरी इंटरनेशनल मैच 16 जुलाई को कार्डिफ में इंग्लैंड के खिलाफ खेला था। इसके बाद उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी वनडे से बाहर कर दिया गया था। BCCI ने बताया था कि उन्हें कार्डिफ में फील्डिंग के दौरान चोट लगी थी। इसके चलते वह श्रीलंका के खिलाफ भारत की टेस्ट सीरीज में भी नहीं खेल सके थे, जिसे भारत ने 1-0 से जीता था।

मीटिंग के लिए जाते वीवीएस लक्ष्मण और BCCI सचिव देवजीत सैकिया।

भारत लगातार दो टी-20 सीरीज हारा

डिफेंडिंग टी-20 वर्ल्ड कप चैंपियन भारत को जून में आयरलैंड के खिलाफ दो मैचों की टी-20 सीरीज में 2-0 से हार मिली थी। इसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी-20 सीरीज में भी भारत 4-0 से हार गया। नॉटिंघम में टीम को 125 रन से हार मिली, जो सीरीज में उसकी सबसे बड़ी हार थी। इन दोनों सीरीज में श्रेयस अय्यर भारत के कप्तान थे। इसके बाद शुभमन गिल की कप्तानी में भारत इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज भी 2-1 से हार गया।

इंदौर में भारत-वेस्टइंडीज टी20 के टिकट ऑनलाइन मिलेंगे

कीमत 1,000 से 12,500 रुपए तक

नई दिल्ली। भारत और वेस्टइंडीज के बीच 11 अक्टूबर को इंदौर के होलकर स्टेडियम में होने वाले टी-20 इंटरनेशनल मैच के टिकट की कीमतें तय कर दी गई हैं। मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (MPCA) ने बुधवार को टिकटों के रेट जारी किए।

आम दर्शकों के लिए सबसे सस्ता टिकट 1,000, जबकि सबसे महंगा पैवेलियन टिकट 12,500 का होगा। मैच के सभी टिकट सिर्फ ऑनलाइन मिलेंगे। अन्य कैटेगरी के टिकटों के रेट भी जारी किए जाएंगे।

MPCA ने मैच के लिए जोमैटो को आधिकारिक ऑनलाइन टिकटिंग पार्टनर बनाया है। टिकटों की बिक्री सिर्फ ऑनलाइन होगी। स्टेडियम के काउंटर से ऑफलाइन टिकट नहीं मिलेंगे। टिकटों की खरीद की सीमा भी तय की गई है। एक व्यक्ति अधिकतम 4 टिकट खरीद सकेगा। ये टिकट एक ही कैटेगरी के या अलग-अलग कैटेगरी के हो सकते हैं। होलकर स्टेडियम में आखिरी इंटरनेशनल मैच 18 जनवरी 2026 को भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीसरा वनडे खेला गया था। इस मुकाबले में न्यूजीलैंड ने भारत को 41 रन से हराया था। इस जीत के साथ न्यूजीलैंड ने पहली बार भारत में वनडे सीरीज अपने नाम की थी।

होलकर स्टेडियम में आखिरी इंटरनेशनल मैच 18 जनवरी 2026 को भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीसरा वनडे खेला गया था। इस मुकाबले में न्यूजीलैंड ने भारत को 41 रन से हराया था। इस जीत के साथ न्यूजीलैंड ने पहली बार भारत में वनडे सीरीज अपने नाम की थी।

इमाम-उल-हक पर 2 साल का बैन लग सकता है

लॉर्ड्स टेस्ट में हुई इंजरी की पीसीबी जांच कराएगा, रिजवान भी घेरे में

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान के बल्लेबाज इमाम-उल-हक पर लॉर्ड्स टेस्ट में इंजरी को लेकर 1 से 2 साल तक का बैन लग सकता है।

जियो न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड उनकी पिंडली की चोट से जुड़े मामले की जांच के लिए कमेटी बनाने की तैयारी में है। जांच में अगर इमाम दोषी पाए जाते हैं तो उन पर 1 से 2 साल का बैन लगाया जा सकता है। इमाम को इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट के पहले दिन फील्डिंग के दौरान पिंडली में हल्का खिंचाव आया था। इसके बाद वे पाकिस्तान की दोनों पारियों में बल्लेबाजी के लिए नहीं उतरे। पाकिस्तान पहली पारी में 110 रन पर ऑलआउट हुआ था, जबकि दूसरी पारी में 389 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 194 रन पर सिमट गया। इंग्लैंड ने यह टेस्ट 194 रन से जीता था। इमाम की चोट और इसके बाद उनकी अनुपलब्धता को लेकर PCB ने जांच कराने का फैसला किया है। इमाम पहले भी चोट से जुड़े विवाद में रह चुके हैं। मार्च 2025 में न्यूजीलैंड दौरे के दौरान इंडोर नेट सेशन में गेंद उनके दाहिने पैर के अंगूठे पर लगी थी। जियो न्यूज के मुताबिक, उस मामले की PCB जांच समिति ने इमाम को मेडिकल स्टाफ को गुमराह करने और चोट के लक्षणों को गलत तरीके से पेश करने के लिए जिम्मेदार ठहराया था। समिति ने माना था कि इमाम ने पाकिस्तान के पहले वनडे में नहीं खेलने के लिए अपनी चोट को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया था।

इमाम के अलावा विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान भी अनुशासन से जुड़े मामले में PCB की जांच के घेरे में हैं। जियो न्यूज के सूत्रों के मुताबिक, बोर्ड आने वाले दिनों में रिजवान से पूछताछ कर सकता है

53 मिनट में जीतीं, पेगुला-मेदवेदेव और अल्काराज भी तीसरे राउंड में पहुंचे

सबालेंका की यूएस ओपन में लगातार 16वीं जीत

नई दिल्ली, एजेंसी

न्यूयॉर्क के फ्लशिंग मीडोज में खेले जा रहे US ओपन 2026 में दुनिया की नंबर-1 खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने महिला सिंगल्स के दूसरे राउंड में रूस की क्वालिफायर पोलिना यात्चेंको को 6-1, 6-1 से हराकर तीसरे राउंड में जगह बना ली। सबालेंका ने यह मुकाबला सिर्फ 53 मिनट में जीता। विमेंस में जेसिका पेगुला भी आगे बढ़ीं, जबकि मेंस सिंगल्स में डेनियल मेदवेदेव और बेन शेल्टन ने भी तीसरे दौर में जगह बनाई।

अल्काराज ने आर्थर ऐश स्टेडियम में पुर्तगाल के जैमे फारिया को 4-6, 6-0, 6-3, 6-2 से हराया। पहला सेट गंवाने के बाद उन्होंने लगातार तीन सेट जीतकर 2 घंटे 39 मिनट में मुकाबला अपने नाम किया। डिफेंडिंग चैंपियन सबालेंका शुरुआत से ही आक्रामक अंदाज में खेलीं। उन्होंने पहला सेट 6-1 से अपने नाम किया। दूसरे सेट में यात्चेंको ने एक गेम जीता, लेकिन इसके बाद सबालेंका ने लगातार तीन गेम जीतकर मैच खत्म कर दिया।

सबालेंका की US ओपन में यह लगातार 16वीं जीत है। वह फ्लशिंग मीडोज में लगातार तीसरा खिताब जीतने की कोशिश में हैं। तीसरे दौर में उनका सामना उज्बेकिस्तान की कामिला रखिमोवा से होगा। पुरुष सिंगल्स में मेदवेदेव ने अमेरिका के वाइल्ड कार्ड खिलाड़ी सेबेस्टियन गोर्जनी को 6-1, 6-3, 7-5 से हराया।

अल्काराज ने आर्थर ऐश स्टेडियम में पुर्तगाल के जैमे फारिया को 4-6, 6-0, 6-3, 6-2 से हराया।

पेगुला ने केनिन को 56 मिनट में हराया

महिला सिंगल्स में अमेरिकी खिलाड़ी जेसिका पेगुला ने हमवतन सोफिया केनिन को 6-3, 6-1 से हराया। पेगुला ने यह मुकाबला 56 मिनट में जीता। 2020 ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन केनिन को पूरे मैच में वापसी का ज्यादा मौका नहीं मिला।

न्यूयॉर्क में बारिश के कारण बाहरी कोर्ट पर मुकाबले प्रभावित हुए। कुछ मैचों को रोकना पड़ा, जबकि आर्थर ऐश और लुई आर्मस्ट्रांग स्टेडियम के कवर होने के कारण वहां मुकाबले जारी रहे। बारिश की वजह से टूर्नामेंट के पहले दौर के कुछ मैच भी बुधवार तक खिंच गए।

मनोरंजन

भारत से बेहतर है पाकिस्तान कोक स्टूडियो : आतिफ असलम

भारतीय संगीत में कमर्शियलाइजेशन ज्यादा

नई दिल्ली। पाकिस्तानी सिंगर आतिफ असलम ने भारत और पाकिस्तान के लोकप्रिय संगीत प्लेटफॉर्म 'कोक स्टूडियो' के बीच तुलना करते हुए पाकिस्तान कोक स्टुडियो को बेहतर बताया है। एक इंटरव्यू में आतिफ ने कहा कि कोक स्टूडियो पाकिस्तान की सफलता के पीछे उसका 'रॉ और ओरिजनल' संगीत है, जबकि कोक स्टूडियो इंडिया में 'कमर्शियलाइजेशन' (व्यावसायीकरण) ज्यादा हावी दिखता है। दुबई के रेडियो स्टेशन मिर्ची यूएई को दिए इंटरव्यू में आतिफ असलम ने दोनों देशों के कोक स्टूडियो के काम करने के तरीके पर बात की। आतिफ ने कहा, दोनों ही तरफ संगीत की कंपोजिशन बेहतरीन बनाई जाती है, लेकिन भारतीय संगीत में वह रॉ-नेस गायब है जो हमारे गानों में होती है। इंडियन कोक स्टूडियो कमर्शि-यलाइजेशन पर बहुत ज्यादा भरोसा करता है और गानों को बाजार के हिसाब से ढालता है। इसके उलट, पाकिस्तानी कोक स्टूडियो पूरी तरह से ओरिजनल कंपोजिशन पर जोर देता है। वहां संगीतकारों के पास अपनी कला दिखाने की आजादी होती है और एक तरह से यह उनके लिए करो या मरो की स्थिति होती है, जहां वे अपनी अलग पहचान जोड़ सकते हैं।

बोलीं- उस रिश्ते ने खुद से प्यार करना सिखाया, पेरेंट्स अब शादी के लिए दबाव नहीं डालते

हर्षिता गौर का दिल टूटा दो साल बाद संभली

नई दिल्ली। हर्षिता गौर ने एक्टिंग की शुरुआत टीवी से की और 'मिर्जापुर' से उन्हें अलग पहचान मिली। इंटरव्यू में उन्होंने पहली कमाई, माता-पिता के सपोर्ट और आने वाले प्रोजेक्ट्स समेत कई बातें साझा कीं। उनकी मां डॉक्टर होने के साथ 9 साल तक थिएटर भी कर चुकी हैं। बचपन में हर्षिता ने एक्टर बनने का सपना देखा था, लेकिन माता-पिता को उम्मीद थी कि यह सपना कुछ समय बाद खत्म हो जाएगा। उन्होंने मुंबई में अपने 12 साल पुराने घर को खरीदने की कोशिश का भी जिक्र किया। इसके अलावा उन्होंने सपनों के राजकुमार, दिल टूटने और खुद को प्यार करना सीखने पर भी बात की।

हां, मेरी मां डॉक्टर हैं, लेकिन उन्होंने पंजाब में करीब 9 साल तक थिएटर भी किया था। बचपन में मुझे पता नहीं था कि वह थिएटर एक्टर रही हैं। जब मैं थोड़ी बड़ी हुई, तब उन्होंने बताया। मुझे लगता है कि एक्टिंग का कीड़ा शायद उन्हीं से आया है।

बचपन में एक्टिंग करने का ख्याल कैसे आया?

मैं करीब 7-8 साल की रही होंगी, जब मैंने मां से कहा था कि मुझे टीवी पर आना है। बचपन में ज्यादा फिल्में नहीं देखती थी, लेकिन 4 साल की उम्र से कथक सीख रही थी और स्टेज पर परफॉर्म करती थी। जब लोग मेरी तारीफ करते थे और मिलने आते थे, तो शायद वहीं से एक्टर बनने का ख्याल आया।

दीपिका पादुकोण ने 8 घंटे शिफ्ट के लिए छोड़ी थी फिल्म, मेल एक्टर्स पर सवाल उठाया था

मैंने रोज 18 घंटे काम किया : प्रीति जिंटा

नई दिल्ली। फिल्म इंडस्ट्री में काम के लंबे घंटों और वर्क-लाइफ बैलेंस को लेकर बहस एक बार फिर तेज हो गई है। लगभग एक दशक के अंतराल के बाद बड़े पर्दे पर वापसी कर रहीं एक्ट्रेस प्रीति जिंटा ने इस मुद्दे पर अपना रुख साफ किया है। मुंबई में अपनी आने वाली एक्शन-कॉमेडी फिल्म 'वाइब' के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में प्रीति जिंटा ने खुलासा किया कि उन्होंने इस फिल्म की शूटिंग के दौरान रोजाना 18 घंटे तक काम किया।

उन्होंने स्पष्ट किया कि हर किसी की अपनी प्राथमिकताएं होती हैं और उन्होंने भारत में अपने कम समय के टूर और अमेरिका में बच्चों के पास जल्दी लौटने के लिए खुद यह लंबा शेड्यूल चुना था।

जब दीपिका पादुकोण की 8 घंटे की वर्किंग डिमांड पर विवाद बढ़ा, तो उन्होंने एक इंटरव्यू में भारतीय फिल्म इंडस्ट्री के दोहराव वाले रवैये पर खुलकर बात की। दीपिका ने CNBC-TV18 को दिए इंटरव्यू में कहा था, यह कोई छिपी हुई बात नहीं है कि भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में कई मेल सुपरस्टार्स् सालों से सिर्फ 8 घंटे ही काम करते आ रहे हैं।

वे सोमवार से शुक्रवार तक 8 घंटे काम करते हैं और वीकेंड्स पर काम नहीं करते। लेकिन जब कोई महिला अपने लिए 8 घंटे की शिफ्ट मांगती है, तो इसे हेडलाइन बना दिया जाता है।

इसी दौरान एक्टर अभिषेक बच्चन का एक पुराना वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें वे 'द कपिल शर्मा शो' में अक्षय कुमार के वर्किंग स्टाइल के बारे में बता रहे थे।

दीपिका ने अपनी लाइफ में बैलेंस बनाए रखने के लिए रोजाना 8 घंटे की वर्क शिफ्ट की मांग रखी थी।

दीपिका पादुकोण की थी 8 घंटे की शिफ्ट की मांग

फिल्म इंडस्ट्री में वर्किंग आवर्स का यह विवाद असल में तब शुरू हुआ था, जब एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण के संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म 'स्पिरिट' (प्रभास स्टारर) और 'कल्कि 2898 एडी' के सीक्वल से अलग होने की खबरें सामने आई थीं।

मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया था कि मां बनने के बाद दीपिका ने अपनी पर्सनल लाइफ और प्रोफेशनल लाइफ में बैलेंस बनाए रखने के लिए रोजाना 8 घंटे की वर्क शिफ्ट की मांग रखी थी।

'बच्चों के पास लौटने के लिए 18 घंटे काम किया'

ट्रेलर लॉन्च के दौरान जब मीडिया ने प्रीति जिंटा से सेट पर लंबे वर्किंग आवर्स के बारे में सवाल किया, तो उन्होंने बताया कि लंबे समय तक शूटिंग करना मुश्किल जरूर था, लेकिन यह उनका अपना व्यक्तिगत फैसला था। 50 साल की प्रीति जिंटा ने कहा, सबकी अपनी पसंद और जरूरतें होती हैं। बेशक, मैंने 18 घंटे तक काम किया क्योंकि मैं अपना काम जितनी जल्दी हो सके खत्म करके अमेरिका वापस अपने बच्चों के पास जाना चाहती थी। मेरा फोकस सिर्फ यही था कि मैं भारत आऊंगी, अपना काम तेजी से पूरा करूंगी और तुरंत लौट जाऊंगी। मैं यहां 30 से 40 दिनों के समय के लिए आई थी। इसलिए मुझे इतनी लंबी शिफ्ट में काम करने में कोई आपत्ति नहीं थी।

54 साल बाद पर्दे पर लौटेगी पाकीज़ा, विदेशों में री-रिलीज होगी मीना कुमारी की फिल्म

मुंबई। अभिनेत्री मीना कुमारी अभिनीत साल 1972 की क्लासिक फिल्म पाकीजा का 4K रीस्टोर वर्जन पहली बार फ्रांस के ल्योन में होने वाले फेस्टिवल ल्यूमेर और बीएफआइ लंदन फिल्म फेस्टिवल में प्रदर्शित किया जाएगा।

कमाल अमरोही के निर्देशन में बनी इस फिल्म को उसके मूल स्वरूप में वापस लाने का काम गैर-लाभकारी संस्था फिल्म हेरिटेज फाउंडेशन (एफएचएफ) ने किया है, जिसमें दो साल लगे हैं।

आने वाले अक्टूबर महीने में पाकीजा का ल्योन में वर्ल्ड प्रीमियर का नेतृत्व कान और ल्यूमेर के प्रमुख थिएरी फ्रेमाक्स करेंगे। फ्रांस के बाद फिल्म लंदन पहुंचेगी, जहां बीएफआइ आइमैक्स में इसकी स्क्रीनिंग होगी, जिसे एफएचएफ के निदेशक शिवेंद्र सिंह डुंगरपुर पेश करेंगे। इस मौके पर कमाल अमरोही के बच्चे ताजदार व रुखसार और उनके पोते बिलाल अमरोही भी मौजूद रहेंगे।

शिवेंद्र सिंह डुंगरपुर ने कहा- पाकीजा को रीस्टोर करना उनका सपना था, जो अब तक के उनके सबसे कठिन रिस्टोरेशन में से एक है। इस फिल्म को उन्होंने अपने बचपन में बिहार के डुमरांव के एक सिनेमाघर में दादी के साथ देखा था। फिल्म का मूल कैमरा नेगेटिव लगभग पिघल चुका था। रंग फीके पड़ चुके थे और फिल्म पर खरोंच और फफूंदी के निशान थे। ऐसे में कमाल अमरोही की मूल कल्पना को फिर से पर्दे पर जीवित करना सबसे बड़ी चुनौती थी। रीस्टोरेशन के दौरान फिल्म की कुछ मूल तस्वीरें भी मिली, जिन्होंने फिल्म के रंग और दृश्यात्मक रूप को दोबारा तैयार करने में मदद की। डुंगरपुर ने कमाल अमरोही के बेटे ताजदार और बेटी रुखसार से भी सलाह ली। उन्हें फिल्म के निर्माण से जुड़ी कई बातें याद थीं।

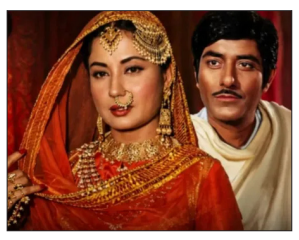

हिमालय में 7 मिनट में तबाही चीन की तैयारी नाकाम

कोहराम पिछली बार झील फटी थी, इस बार ग्लेशियर ही टूट गया

नई दिल्ली, एजेंसी

26 अगस्त को चीन-नेपाल सीमा पर हिमालय की एक घाटी में ऐसी तबाही आई, जिसमें 1200 से ज्यादा लोगों की जान चली गई। हैरानी की बात ये थी कि चीन इस इलाके में ऐसी आपदा से निपटने की तैयारी पहले ही कर चुका था।

14 महीने पहले इसी इलाके में ग्लेशियर की एक झील फटने से भूस्खलन हुआ था। ट्रक, घर और एक पुल बह गए थे। इसके बाद चीन ने करीब छह महीने तक बॉर्डर पोर्ट बंद रखा और बाढ़ से बचाव का सिस्टम मजबूत किया।

पानी के स्तर पर 24 घंटे नजर रखने लगी, तटबंध और बाढ़ रोधी दीवारें बनाई गईं और पानी का रास्ता बदलने के लिए नहरें तैयार की गईं। अधिकारियों और ग्रामीणों

की ट्रेनिंग हुई, मॉक ड्रिल कराई गई और जुलाई में तैयारियों की समीक्षा भी हुई।

यानी पिछली आपदा से सबक लेने में कोई कमी नहीं छोड़ी गई थी। फिर भी 26 अगस्त को कुछ ऐसा हुआ, जिसके लिए ये पूरा सिस्टम तैयार ही नहीं था।

बार-बार प्राकृतिक आपदा झेलने के बाद भी चीन के लिए इस जगह को छोड़ना आसान नहीं है। पिछले एक दशक में ग्यिरोंग पोर्ट चीन और नेपाल के बीच मुख्य व्यापारिक रास्ता बन गया है।

दोनों देशों के कुल व्यापार का करीब एक-तिहाई हिस्सा इसी रास्ते से होता है। हर साल 1.80 लाख से ज्यादा लोग भी यहां से दोनों देशों के बीच आते-जाते हैं। इससे पहले चीन-नेपाल के बीच झांगमू-कोदारी बॉर्डर रूट मुख्य रास्ता था। लेकिन 2015 के नेपाल भूकंप में यह रास्ता बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इसके बाद ग्यिरोंग का महत्व बढ़ता गया।

इस बार झील नहीं, ग्लेशियर टूटा

इस बार बाढ़ किसी ग्लेशियल झील के फटने से नहीं आई। एक ग्लेशियर का बड़ा हिस्सा अचानक टूटकर नीचे आ गया। इसके साथ बर्फ, बड़े पत्थर और पानी इतनी तेजी से नीचे आए कि कुछ ही देर में ये सब सुनामी जैसी लहर में बदल गया।

ग्यिरोंग पोर्ट कॉम्प्लेक्स में पहुंचते ही इस लहर ने 27 इमारतों को तबाह कर दिया। इसके बाद ये तबाही नेपाल की ओर बढ़ गई।

अधिकारियों के मुताबिक, ग्लेशियर का हिस्सा टूटने और ग्यिरोंग पोर्ट तक पहुंचने के बीच सिर्फ छह-सात मिनट का समय था। इतनी कम अवधि में लोगों को चेतावनी देना और उन्हें सुरक्षित जगह पहुंचाना बेहद मुश्किल था।

एक्सपर्ट्स के मुताबिक, ग्लेशियर का यह हिस्सा अचानक क्यों टूटा, इसकी पूरी तस्वीर अभी साफ नहीं है। इसके पीछे ग्लोबल वार्मिंग के कारण पर्माफ्रॉस्ट के पिघलने और चट्टानों के कमजोर होने जैसी वजहें हो सकती हैं।

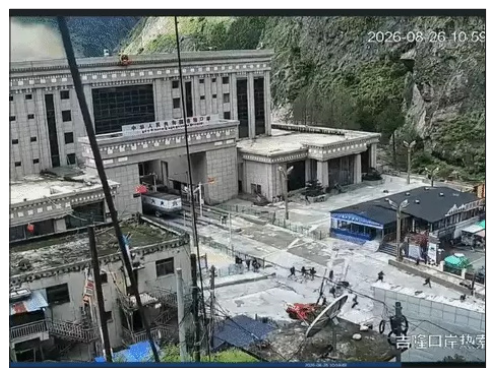

चीन के तिब्बत में ग्यिरोंग पोर्ट पर बाढ़ के मलबे में कई लोग दब गए।

समस्या यह है कि झांगमू वाला रास्ता भी प्राकृतिक आपदाओं से सुरक्षित नहीं है। 2016 में इसी इलाके में ग्लेशियल झील फटने से बाढ़ आई थी। यानी हिमालय में एक रास्ते से दूसरे रास्ते पर जाने से आपदा का खतरा खत्म नहीं होता।

एक ही जगह बार-बार क्यों हो रही तबाही?

इस आपदा ने एक बड़ा सवाल खड़ा किया है। ग्यिरोंग पोर्ट जैसी बड़ी सीमा चौकी इतनी जोखिम वाली जगह पर क्यों बनाई गई?

यह पोर्ट एक संकरी घाटी में उस जगह बना है, जहां ल्हेंडे खोला और त्रिशूली नदी मिलती हैं। दोनों नदियों में ग्लेशियरों का पानी आता है। इसी छोटी सी समतल जमीन पर पुल, कस्टम यार्ड, ड्राई पोर्ट और ट्रकों की पार्किंग है। यानी ऊपर पहाड़ों से पानी, बर्फ या मलबा नीचे आता है तो सबसे पहले यही इलाका उसकी चपेट में आता है।

डिजास्टर मैनेजमेंट एक्सपर्ट सस्वता सन्याल के मुताबिक, 2025 में भी लोग इसी कस्टम यार्ड से बह गए थे और इस साल भी यह इलाका फिर तबाही की चपेट में आ गया।

फास्ट न्यूज

भारत के हेल्थकेयर सिस्टम की मुरीद हुईं यूके एनएचएस प्रमुख

लंदन। हेल्थकेयर सिस्टम में हमारा देश भारत, दुनिया के सामने एक मिसाल बनता जा रहा है। NHS इंग्लैंड की चेयरपर्सन डॉ. पेनी डैश ने कहा है कि ब्रिटेन को भारत के हेल्थकेयर सिस्टम से सीखना चाहिए। डॉ. पेनी डैश का मानना है कि हेल्थकेयर सिस्टम में भारत जल्द ही ग्लोबल स्टैंडर्ड सेट कर सकता है जिसे दूसरे देश अपनाना चाहेंगे।

पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर घुसपैठ की कोशिश नाकाम

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा (KPK) प्रांत में सुरक्षा बलों ने अफगानिस्तान सीमा के पास घुसपैठ की बड़ी कोशिश नाकाम की है। पाकिस्तानी सेना के मीडिया विंग ने बताया कि अफगानिस्तान सीमा के पास चलाए गए ऑपरेशन में 'फितना अल-खवारिज' (TTP) के 15 आतंकवादियों को मार गिराया है। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (ISPR) के अनुसार, फितना अल-खवारिज से जुड़े आतंकवादियों ने 31 अगस्त और 1 सितंबर की मध्य रात्रि उत्तरी वजीरिस्तान क्षेत्र के विपरीत सीमा से घुसपैठ का प्रयास किया था।

'नौकरी करने लायक नहीं जेन-जी'

नई दिल्ली। अमेरिका की प्रमुख कंपनियों में नई पीढ़ी जेन-जी के युवा कर्मचारियों के कामकाज, बातचीत के तरीकों और पेशेवर व्यवहार को लेकर नाराजगी बढ़ रही है। ज्यातर अमेरिकी कंपनियां जेन-जी में कौशल विकास और वर्कप्लेस रेडीनेस को लेकर संतुष्ट नहीं हैं। नई रिपोर्ट के अनुसार, ऑफिस में ईमेल किसे करना है, मीटिंग में असहमति कैसे रखनी है, बॉस से सवाल कब पूछना है ।

भारत की जगह चीन से महंगी बिजली खरीद रहा बांग्लादेश

दोगुनी कीमत चुका रहा, फैसले के लेकर देश में विरोध

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश भारत से मिलने वाली सस्ती बिजली के बावजूद चीन से महंगी बिजली खरीद रहा है। ढाका के पास अमीनबाजार में लग रहे वेस्ट-टू-एनर्जी प्रोजेक्ट से 42 MW बिजली 25 टका यानी करीब 19.25 रुपए प्रति यूनिट की दर से खरीदी जाएगी। इसके लिए 25 साल का करार हुआ है।

भारत से बांग्लादेश को करीब 11 टका यानी 8.50 रुपए प्रति यूनिट की दर से बिजली मिल रही है। चीन से मिलने वाली बिजली की कीमत भारत से दोगुने से भी ज्यादा है। 2 सितंबर को बीजिंग में हुए इस समझौते का बांग्लादेश में विरोध हो रहा है।

भारत के केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग (CERC) ने सीमा-पार बिजली लेनदेन और ग्रिड से जुड़े खर्च के लिए 1 पैसे प्रति यूनिट शुल्क प्रस्तावित किया था।

बांग्लादेश पावर डेवलपमेंट बोर्ड (BPDB) ने इसका विरोध किया। इसके बाद भारत ने शुल्क को घटाकर आधा पैसा प्रति यूनिट करने की बात कही।

अमीनबाजार का प्रोजेक्ट सिर्फ बिजली बनाने के लिए नहीं है। इसमें ढाका के कचरे का इस्तेमाल बिजली उत्पादन के लिए किया जाएगा।

करीब 2.3 करोड़ आबादी वाले ढाका में रोजाना 8 हजार मीट्रिक टन कचरा निकलता है। वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट से कचरे की समस्या कम करने के साथ बिजली भी पैदा होगी।

बांग्लादेश इस समय बिजली की कमी और पावर कट की समस्या से जूझ रहा है।

बैंक ऑफ इंग्लैंड में रखा, कहा- संकट आने पर यहां आसानी से बेच सकेंगे

नीदरलैंड्स ने अमेरिका-कनाडा से 86 टन सोना हटाकर लंदन भेजा

डीएनबी के मुताबिक, 2025 के अंत में नीदरलैंड्स के पास कुल 612.4 टन सोना था। इसकी कीमत करीब 72.2 अरब यूरो (करीब 8 लाख करोड़ भारतीय रुपए) थी।

लंदन, एजेंसी

नीदरलैंड्स ने अमेरिका और कनाडा में रखा अपना 86 टन सोना निकालकर लंदन भेज दिया है। डच सेंट्रल बैंक (DNB) के मुताबिक, यह ट्रांसफर मार्च से अगस्त के बीच कई महीनों में किया गया। अब यह सोना बैंक ऑफ इंग्लैंड में रखा गया है। DNB ने बताया कि संकट की स्थिति में लंदन में रखा सोना ज्यादा आसानी से खरीदा-बेचा जा सकता है। बैंक ने इस फैसले के पीछे दुनिया में बढ़ते राजनीतिक तनाव का भी हवाला दिया है।

इस ट्रांसफर से पहले DNB के कुल सोने का 31.3% न्यूयॉर्क और 19.7% ओटावा में रखा था। ट्रांसफर के बाद दोनों जगहों पर सोने की हिस्सेदारी घटकर 18.5% रह गई। वहीं, लंदन में रखे सोने की हिस्सेदारी 18.1% से बढ़कर 32.1% हो गई है। नीदरलैंड्स में 30.8% सोना अब भी रखा हुआ है। DNB के मुताबिक, 2025 के अंत में नीदरलैंड्स के पास कुल 612.4 टन सोना था। इसकी कीमत करीब 72.2 अरब यूरो (करीब 8 लाख करोड़ भारतीय रुपए) थी।

फ्रांस की नेशनल गोल्ड काउंटर के प्रेसिडेंट लॉरेंट श्वार्ट्ज ने कहा कि दुनिया के कई सेंट्रल बैंक पिछले करीब 10 साल से अपने सोने को अलग-अलग देशों में रखने की जगह बदल रहे हैं। उनके मुताबिक, अमेरिका के मौजूदा राजनीतिक माहौल को देखते हुए भी कुछ सेंट्रल बैंक अपने सोने को दूसरे देशों में रखना पसंद कर सकते हैं।

27 टन सोना न्यूयॉर्क-ओटावा से नीदरलैंड्स लाया गया

DNB के मुताबिक, इस पूरी प्रक्रिया में 27 टन सोने की छड़ें न्यूयॉर्क और ओटावा से नीदरलैंड्स के जाइस्ट पहुंचाई गईं, फिर इसे लंदन भेजा गया।

सोने की छड़ों को इस दौरान पिघलाने की जरूरत नहीं पड़ी। हालांकि, अटलांटिक महासागर के पार इतनी बड़ी मात्रा में सोना किस तरह पहुंचाया गया, इसकी जानकारी नहीं दी गई है।

बाकी 59 टन सोने के लंदन भेजने के लिए अलग तरीका अपनाया गया। इसके लिए न्यूयॉर्क में रखा सोना बेच दिया गया और उसके बराबर मात्रा का सोना लंदन में खरीद लिया गया।

संकट में लंदन का सोना जल्दी इस्तेमाल हो सकेगा

DNB के मुताबिक, बैंक ऑफ इंग्लैंड में रखा सोना दुनिया के सबसे ज्यादा ट्रेड होने वाले गोल्ड मार्केट तक आसानी से पहुंच देता है। लंदन का गोल्ड मार्केट दुनिया के सबसे बड़े और सबसे ज्यादा लिक्विड बाजारों में माना जाता है।

इसका मतलब है कि किसी संकट के समय लंदन में रखा सोना अमेरिका या कनाडा में रखे सोने की तुलना में जल्दी खरीदा या बेचा जा सकता है। जरूरत पड़ने पर सेंट्रल बैंक यहां रखे अपने सोने को दूसरे बैंकिंग संस्थानों को उधार भी दे सकते हैं।

एक सिक्का 230 रुपए तक बिका, कुछ घंटे में ही आउट ऑफ स्टॉक

अमेरिका में एक डॉलर के सिक्के पर ट्रम्प की तस्वीर

नई दिल्ली। अमेरिका ने अपनी 250वीं वर्षगांठ के मौके पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की तस्वीर वाला 1 डॉलर का खास सिक्का जारी किया है। अमेरिकी मिंट ने बुधवार दोपहर 12 बजे इसकी बिक्री शुरू की।

1 सिक्के की कीमत 2.44 डॉलर यानी 230 रुपए तक रखी गई। 25 और 100 सिक्कों के पैक बिक्री के लिए जारी किए गए। बिक्री शुरू होने के सिर्फ 3 घंटे बाद ही सिक्के आउट ऑफ स्टॉक हो गए। सिक्के के एक तरफ ट्रम्प की तस्वीर है। इसके साथ 'IN GOD WE TRUST' और 'LIBERTY' लिखा है। दूसरी तरफ अमेरिकी राष्ट्रपति की मुहर और अमेरिका की 250वीं वर्षगांठ के लिए '250' लिखा गया है। सिक्का देखने में

वॉशिंगटन DC के मिंट कॉइन स्टोर में 2 सितंबर को ट्रम्प की तस्वीर वाले $1 के सिक्के खरीदने के लिए मशीन लगाई गई।

गोल्ड जैसा दिखाई देता है, लेकिन इसमें सोना नहीं है। अमेरिकी मिंट के मुताबिक इसे कॉपर, जिंक, मैंगनीज और निकल के मिश्रण से बनाया गया है। सिक्का देखने में गोल्ड जैसा दिखाई देता है, लेकिन इसमें सोना नहीं है। अमेरिकी मिंट के मुताबिक इसे कॉपर, जिंक, मैंगनीज और निकल के मिश्रण से बनाया गया है।

25 सिक्कों के पैक की कीमत 61 डॉलर

अमेरिकी मिंट के मुताबिक, 25 सिक्कों के पैक की कीमत 61 डॉलर और 100 सिक्कों के पैक की कीमत 154.50 डॉलर है। बिक्री शुरू होने के करीब आधे घंटे बाद ही वेबसाइट पर लोगों को वेटिंग एरिया में भेजा जाने लगा। वहां करीब 1 घंटे का वेटिंग टाइम बताया गया। गुरुवार दोपहर 2 बजे तक एक परिवार अधिकतम 2 खरीदारी कर सकता था।

सिक्का देखने में गोल्ड जैसा दिखाई देता है, लेकिन इसमें सोना नहीं है। अमेरिकी मिंट के मुताबिक इसे कॉपर, जिंक, मैंगनीज और निकल के मिश्रण से बनाया गया है।

1926 के बाद पहली बार जीवित राष्ट्रपति की तस्वीर

अमेरिकी मिंट के मुताबिक, इससे पहले किसी जीवित राष्ट्रपति की तस्वीर 1926 में सिक्के पर दिखाई गई थी। उस समय राष्ट्रपति कैल्विन कूलिज की तस्वीर अमेरिका की स्वतंत्रता की घोषणा पर हस्ताक्षर की 150वीं वर्षगांठ के मौके पर जारी आधे डॉलर के सिक्के पर लगाई गई थी।

अमेरिकी कानून के तहत किसी जीवित राष्ट्रपति या जीवित पूर्व राष्ट्रपति की तस्वीर सिक्के पर लगाना प्रतिबंधित है।

हालांकि, अमेरिका की 250वीं वर्षगांठ के लिए कांग्रेस नेसर्कुलेटिंग कलेक्टिबल कॉइन रीडिजाइन एक्ट पास किया। इसके तहत ट्रेजरी को इस अवसर पर खास $1 के सिक्के जारी करने की अनुमति मिली।

कानून में यह भी कहा गया है कि सिक्के के पीछे वाले हिस्से पर किसी जीवित व्यक्ति का पोर्ट्रेट नहीं हो सकता। ट्रम्प की तस्वीर सिक्के के आगे वाले हिस्से पर है, इसलिए इसे कानून के मुताबिक माना गया है।

रूस-यूक्रेन ने ब्लैक सी में 300 जहाजों पर हमले किए

दुनिया में गेहूं-मक्का महंगा होने का खतरा

कीव, एजेंसी

रूस-यूक्रेन युद्ध में ब्लैक सी अब जंग का बड़ा मोर्चा बन गया है। पिछले करीब डेढ़ महीने में दोनों देशों ने 300 से ज्यादा जहाजों को निशाना बनाया है।

इनमें अनाज ले जाने वाले जहाज, तेल टैंकर और दूसरे मालवाहक पोत शामिल हैं।लगातार हमलों से ब्लैक सी का समुद्री व्यापार प्रभावित हुआ है।

जहाज मालिक इस रूट पर जाने से बच रहे हैं और माल ढुलाई की लागत बढ़ रही है। इसका असर दुनिया की खाद्य सप्लाई पर पड़ने का खतरा है।

गेहूं और मक्का की कीमतों में तेजी आ सकती है। रूस और यूक्रेन मिलकर दुनिया के करीब 30% गेहूं निर्यात का हिस्सा रखते हैं। दोनों देशों का ज्यादातर अनाज ब्लैक सी

के रास्ते दूसरे देशों तक पहुंचता है।

अगस्त में रूस का कुल अनाज निर्यात पिछले साल के 59 लाख टन से घटकर 17 लाख टन रह गया। यानी करीब 71% की गिरावट आई।

रूस का गेहूं निर्यात भी 50 लाख टन से घटकर 13 लाख टन रह गया। रूसी गेहूं खरीदने वाले देशों की संख्या 43 से घटकर 16 रह गई है। वहीं, रूस से अनाज भेजने वाले बंदरगाहों की संख्या 47 से घटकर 10 रह गई। देश के सबसे बड़े बंदरगाह नोवोरोसिस्क से शिपमेंट 24.9 लाख टन से घटकर 10.4 लाख टन रह गया।

संकट : रेस्क्यू के बाद बार-बार पूछा- पानी ने मुझे क्यों मारा, नेपाल बाढ़ में 1252 की मौत

4 घंटे मलबे में दबी रहीं 97 साल की महिला

काठमांडू, एजेंसी

नेपाल में 26 अगस्त को आई भीषण फ्लैश फ्लड में 97 साल की गुना माया बोहरा करीब 4 घंटे तक मलबे में दबी रहीं। नुवाकोट के देविघाट में नदी किनारे बने बुजुर्ग देखभाल केंद्र की ग्राउंड फ्लोर पर वह अपने कमरे में थीं।

बाढ़ का पानी ग्राउंड फ्लोर तक पहुंचा और गुना माया को बहाकर एक किनारे तक ले गया, जहां पानी का बहाव कम था।

उनके रिश्तेदार भी JCB लेकर मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू में सेना और पुलिस की मदद की। गुना माया को काठमांडू के बीर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रेस्क्यू के बाद वह बहुत कम बोलती हैं और बार-बार एक ही सवाल पूछती हैं- "पानी

ने मुझे क्यों मारा?"

बाढ़ से अब तक नेपाल में 1252 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, तिब्बत में जान गंवाने वालों की संख्या 21 पहुंच चुकी है। भोटेकोशी नदी के रास्ते और अंडरग्राउंड पावरहाउस की सुरंगों में फंसे लोगों की तलाश अब भी जारी है।

शवों की पहचान के लिए DNA जांच की जा रही है, ये कैसे होती है और भारत इसमें क्या मदद कर रहा है, जानिए नॉलेज में

काठमांडू के पशुपतिनाथ मंदिर परिसर में 21 वर्षीय सबिन तिमल्सिना के परिजनों ने पुतले के साथ अंतिम संस्कार की रस्में निभाईं।

तिब्बत में गुरुवार को 5 तीव्रता का भूकंप आया। जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज (GFZ) के मुताबिक, भूकंप का केंद्र उत्तराखंड के जोशीमठ से 128 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में था। यह जमीन से 10 किमी गहराई में था।

फिलहाल भूकंप से किसी नुकसान या लोगों के घायल होने की खबर नहीं है। यह भूकंप 26 अगस्त को तिब्बत-नेपाल सीमा के पास आई बाढ़ के करीब एक हफ्ते बाद आया है।

बिहार-नेपाल बॉर्डर पर 100+ ट्रक 2 दिनों से खड़े

नेपाल में आई फ्लैश फ्लड ने सिर्फ वहां की सड़कें, बस्तियां और टूरिस्ट प्लेस को ही नहीं, बल्कि बिहार से जुड़े कारोबार और टूरिज्म की रफ्तार पर भी ब्रेक लगा दिया है।

भारत-नेपाल सीमा पर आवाजाही से लेकर सीमावर्ती बाजारों, टूरिस्ट गाड़ियों और सामान से भरे ट्रकों तक पर इसका असर दिखाई दे रहा है।

नेपाल में मौत का आंकड़ा बढ़कर 1252 हो गया है। नेपाल पुलिस के मुताबिक, प्रभावित इलाकों से लगातार शव बरामद किए जा रहे हैं, जिसमें तिब्बत में जान गंवाने वाले 21 लोग भी शामिल हैं।

भारत-ईरान के बीच ट्रेड डील पर बातचीत नहीं : रूबियो

तेहरान की मदद करने वालों पर बैन लगाएंगे

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि भारत और ईरान के बीच कोई ट्रेड डील हुई है। उनसे PM मोदी और ईरानी राष्ट्रपति मसूद पजशकियान की मुलाकात को लेकर सवाल किया गया था। उन्होंने चेतावनी भी दी कि अगर कोई देश ईरान को अमेरिकी प्रतिबंधों से बचने में मदद करेगा, तो अमेरिका उस देश पर भी प्रतिबंध लगा सकता है। अमेरिकी विदेश मंत्री का बयान PM मोदी और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान की SCO समिट के दौरान हुई मुलाकात के बाद आया है। दोनों नेताओं ने भारत-ईरान संबंध, व्यापार और पश्चिम एशिया के हालात पर चर्चा की थी। मोदी ने कहा था कि भारत ईरान के साथ अपने पुराने संबंधों को और मजबूत करना चाहता है। दोनों देशों के बीच

व्यापार बढ़ाने और नए क्षेत्रों को इसमें शामिल करने पर भी जोर दिया गया था। मोदी ने कहा था कि भारत BRICS और SCO जैसे मंचों पर ईरान के साथ सहयोग जारी रखेगा। उन्होंने पजशकियान को 12-13 सितंबर को नई दिल्ली में होने वाले BRICS शिखर सम्मेलन में शामिल होने का न्योता भी दिया। भारत और ईरान के बीच 2024-25 में 1.68 अरब डॉलर (करीब 15,960 करोड़) का कारोबार हुआ। इसमें भारत ने ईरान को 1.24 अरब डॉलर का निर्यात किया, जबकि ईरान से 44 करोड़ डॉलर का आयात हुआ।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676